केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

ये अभिमान नही होना चाहिए कि मुझे किसी की जरूरत नही पड़ेगी और ये वहम भी नही होना चाहिए कि सबको मेरी जरूरत पड़ेगी

वर्ष : 16 अंक : 318 | उज्जैन, गुरुवार 30 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

कर्ज लेकर भेजा विदेश, कफन में लौटा बेटा... रूस-यूक्रेन युद्ध में हरियाणा के एक और युवक की गई जान, अब तक 10 की मौत

फतेहाबाद/ जीएनएस। बेहतर भविष्य के सुनहरे सपने और आंखों में कुछ कर गुजरने की चमक लेकर गांव कुम्हारिया का विजय पुनिया विदेश गया था रूस-यूक्रेन युद्ध में धकेले जाने के चलते उसकी देह बुधवार को एक ताबूत में गांव पहुंची। स्वजनों ने पाई-पाई जोड़कर और नौ लाख रुपये का कर्ज लेकर बेटे को रूस भेजा था। रूस-यूक्रेन युद्ध में प्रदेश का एक और लाल भस्म हो गया है। यह पूरे प्रदेश में अब तक की 10वीं ऐसी घटना है, जिसने मानव तस्करी, फर्जी एजेंटों के मकड़जाल और विदेशों में रोजगार की अंधी दौड़ की भयानक सच्चाई को बेनकाब कर दिया है। बता दें कि इसी महीने 4 अप्रैल को गांव के ही 23 वर्षीय अंकित जांगड़ा का शव भी रूस से लौटा था। बुधवार को जब विजय का पार्थिव शरीर गांव कुम्हारियां लाया गया। ताबूत के भीतर शव लगभग कंकाल में तब्दील हो चुका था, जिसके चलते स्वजन अपने लाडले के अंतिम दर्शन तक नहीं कर सके। कंकाल देखते ही विजय की मां बेसुध होकर गिर पड़ीं और पूरा परिवार विलाप करने लगा। स्वजनों व ग्रामीणों ने पार्थिव शरीर के साथ आई रूसी सेना की वर्दी को भी गुस्से में पार्थिव शरीर के साथ ही नष्ट कर दिया। विजय पूनिया और अंकित जांगड़ा, दोनों ही युवा अपने परिवारों की आर्थिक तंगी दूर करने और भविष्य संवारने के लिए स्टडी वीजा पर रूस गए थे। 12वीं पास अंकित 14 फरवरी 2025 को फरीदाबाद के एक एजेंट के जरिए मास्को के एमएसएलयू कालेज में भाषा कोर्स के लिए गया था। वहां अपना खर्च निकालने के लिए दोनों युवाओं ने छोटे-मोटे काम शुरू किए। स्वजनों का आरोप है कि यह मौत कोई हादसा नहीं, बल्कि एक साजिश है। जुलाई 2025 में एक महिला एजेंट ने वहां फंसे करीब 15 भारतीय युवकों को लालच दिया और रूसी सेना में मोटी सैलरी की नौकरी दिलाने का झांसा देकर फंसा लिया। उन्हें कुछ दिनों की मामूली ट्रेनिंग दी गई और सीधे युद्ध क्षेत्र में झोंक दिया गया।

यूपी में सरकारी नौकरी का सुनहरा मौका, स्पेशल टीचर्स की भर्ती को योगी सरकार ने दी मंजूरी

लखनऊ/ जीएनएस। प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद परिषदीय विद्यालयों में 434 स्पेशल एजूकेटर्स (विशेष शिक्षकों) की भर्ती को स्वीकृति दे दी है। अब इन चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी। इस निर्णय से परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले दिव्यांग (विशेष जरूरत वाले) बच्चों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्हें अब उनकी जरूरत के अनुसार पढ़ाई में बेहतर सहयोग मिल सकेगा। अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बेसिक शिक्षा निदेशक को निर्देश दिया है कि नियुक्ति की प्रक्रिया तुरंत पूरी की जाए और इसकी रिपोर्ट शासन को भेजी जाए। इस भर्ती से पहले स्क्रीनिंग समिति ने 540 अभ्यर्थियों को पात्र माना था, जिनमें से 434 को अंतिम रूप से नियुक्ति के लिए चुना गया है। दरअसल, रजनीश कुमार पांडेय व अन्य के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि सामान्य स्कूलों में भी दिव्यांग बच्चों के लिए प्रशिक्षित विशेष शिक्षक होना जरूरी है। कोर्ट ने यह भी तय किया कि गंभीर दिव्यांगता वाले बच्चों के लिए एक शिक्षक पर पांच छात्र (1:5) और अन्य मामलों में एक शिक्षक पर आठ छात्र (1:8) का अनुपात होना चाहिए। इन विशेष शिक्षकों के पास भारतीय पुनर्वास परिषद से मान्यता प्राप्त डिग्री या डिप्लोमा होना अनिवार्य होगा। परिषदीय विद्यालयों में इन शिक्षकों की नियुक्ति से दिव्यांग बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा और वे सामान्य बच्चों की तरह बेहतर तरीके से पढ़ाई कर सकेंगे।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन इस विश्वास का अंतरण है कि सरकार हर घड़ी जरूरतमंदों के साथ है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जरूरतमंदों को सम्मान और पारदर्शिता के साथ सहायता देना ही हमारा संकल्प

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा समाज के सभी निर्धन, निराश्रित, वृद्धजनों, कल्याणी, परित्यक्ता, अविवाहिता एवं दिव्यांगजनों के कल्याण एवं आर्थिक सहायता के लिए विभिन्न प्रकार की पेंशन योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दी जाने वाली यह सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, यह सरकार के उस विश्वास का अंतरण है, जो इस बात का प्रतीक है कि सरकार हर परिस्थिति में हर घड़ी जरूरतमंदों के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मंत्रालय से समग्र पेंशन योजना के तहत प्रदेश के 33 लाख 45 हजार 231 हितग्राहियों के बैंक खातों में मार्च पेड अप्रैल की 200 करोड़ 71 लाख रुपये की पेंशन राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। केन्द्र सरकार की ओर से सभी पात्र लाभार्थियों को प्रतिमाह पेंशन योजनाओं का लाभ मिल रहा है। यह हमारे लिए एक सामाजिक उत्तरदायित्व है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत दी जा रही यह पेंशन राशि उनके जीवनयापन में सहारा बनने के साथ-साथ उन्हें आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने की प्रेरणा भी देती है।

इस अवसर पर उप-मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा, आयुक्त निःशक्तजन कल्याण सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। प्रदेश के सभी कमिश्नर्स-कलेक्टर्स एवं पेंशन हितग्राहियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस कार्यक्रम में सहभागिता की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हितग्राहियों को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का संकल्प है कि अंतिम पंक्ति में खड़े समाज के हर व्यक्ति तक सहायता समय पर, सम्मान के साथ और पारदर्शी तरीके से पहुंचे, जिससे कोई भी नागरिक अपने आपको असहाय महसूस न करे। सरकार हर परिस्थिति में आपके साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार जरूरतमंदों के हित में पूरी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य कर रही है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि समाज के कमजोर वर्गों को नियमित रूप से आर्थिक सहायता मिले और कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति इस सहायता से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने वर्तमान वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में सामाजिक सुरक्षा से संबंधित योजनाओं के लिए 2 हजार 857 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा ?कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश के लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है और उन्हें आर्थिक सुरक्षा का आधार भी मिल रहा है।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि राज्य शासन की पेंशन योजनाओं में मुख्यमंत्री कन्या अभिभावक पेंशन योजना में 62 हजार 594 हितग्राहियों को, मानसिक रूप से अविकसित/बहु दिव्यांग को आर्थिक सहायता योजना में 77 हजार 120 हितग्राहियों को और समग्र सामाजिक सुरक्षा (वृद्धजन, कल्याणी, परित्यक्ता, अविवाहिता एवं दिव्यांगजन) पेंशन योजना में 32 लाख 5 हजार 517 हितग्राहियों को, इस प्रकार कुल 33 लाख 45 हजार 231 हितग्राहियों को 600 रुपए प्रतिमाह की दर से आज कुल 200.71 करोड़ रूपए की पेंशन राशि से लाभांवित किया गया है।

ग्रेट-निकोबार प्रोजेक्ट विकास में छिपा विनाश, राहुल गांधी का केंद्र पर निशाना

नई दिल्ली/ जीएनएस। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने हालांकि अंडमान निकोबार परियोजना को मंजूरी दे दी है लेकिन लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि परियोजना देश की प्राकृतिक और आदिवासी विरासत के खिलाफ सबसे बड़े घोटालों और सबसे गंभीर अपराधों में से एक है।

राहुल ने कहा कि इस द्वीप समूह के 160 वर्ग किलोमीटर के वर्षा वन में लाखों पेड़ काटे जाएंगे। इसे विकास की भाषा में छिपा विनाश बताते हुए संसद में इस मुद्दे को उठाने की घोषणा करते हुए उन्होंने आमलोगों से भी परियोजना को इसी दृष्टि से देखने की अपील की।

राहुल गांधी- अंडमान-निकोबार की तीन दिन की यात्रा की समाप्ति के बाद बुधवार को एक्स पर पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि ग्रेट निकोबार की यात्रा में उन्होंने अपने जीवन का सबसे असाधारण जंगल देखा है जिसमें ऐसे पेड़ हैं जो हमारी यादों से भी कहीं ज्यादा पुराने हैं। ऐसे जंगल जिन्हें बढ़ने में कई पीढ़ियां लग गईं। इस द्वीप के लोग भी उतने ही सुंदर हैं, चाहे वे आदिवासी समुदाय हों या यहां आकर बसे लोग।

सोशल मीडिया पर इस बारे में साझा एक वीडियो में भी राहुल गांधी ने यह दावा किया कि द्वीप का हर व्यक्ति प्रोजेक्ट के खिलाफ है तथा लोगों को यह भी नहीं मालूम कि उनकी जमीन के बदले क्या मुआवजा मिलेगा। नेता विपक्ष ने कहा कि यहां के दौरे के बाद समझ आया है कि सरकार आखिर उनको यहां आने से क्यों रोक रही थी और काफी मशक्कत के बाद वे यात्रा कर सके।

भारतीय नेपाल जाकर क्यों भरवा रहे पेट्रोल-डीजल? लग रही लंबी-लंबी लाइनें

नई दिल्ली/ जीएनएस। क्षेत्र में पेट्रोल और डीजल की किल्लत ने आमजन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। तीन दिनों से अधिकांश पेट्रोल पंप सूखे पड़े हैं, जिससे वाहन चालकों को लंबी कतारों में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। परेशान लोग मजबूरी में पड़ोसी देश नेपाल जाकर अधिक कीमत पर ईंधन भरवा रहे हैं। नेपाल में डीजल 146 रुपये और पेट्रोल 134 रुपये प्रति लीटर भारतीय मुद्रा में मिल रहा है। बावजूद इसके लोग वहीं से तेल लेने को विवश हैं।

ई-रिक्शा वालों के लिए नया नियम ला रही दिल्ली सरकार, 15 मई से शुरू होगा रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली में ई-रिक्शा का रजिस्ट्रेशन 15 मई से शुरू होगा। राज्य सरकार राजधानी के लिए समग्र ई-रिक्शा नीति लाने पर भी काम कर रही है। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने यह घोषणा ई-रिक्शा निर्माता, डीलर और चालकों की तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित बैठक में की। ई-रिक्शा का रजिस्ट्रेशन चार महीने से बंद है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में सुधार के लिए सरकार ने उसपर अस्थाई रोक लगाई है। बैठक में यह भी तय हुआ कि दिल्ली की सड़कों पर जाम का कारण बन रहे ई-रिक्शा के सही संचालन के लिए चालक संगठन तथा परिवहन विभाग मिलकर काम करेंगे। मंत्री ने संबंधित विषयों को संज्ञान में लाने के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल मेनुफेक्चुरर्स सोसाइटी के महासचिव राजीव तुली का धन्यवाद किया। ताल कटोरा स्टेडियम में ई-रिक्शा निर्माता, वितरक व चालकों की बैठक में मौजूद दिल्ली के परिवहन मंत्री डा. पंकज सिंह(मध्य) व अन्य। जागरण

पश्चिम एशिया युद्ध का असरः डामर संकट से विकास पर ब्रेक, सड़क परियोजनाएं अटकीं

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया संकट का असर एलपीजी किल्लत के बाद अब विकास कार्यों पर ग्रहण के रूप में भी शहर-शहर सामने आने लगा है। बिटुमिन की कमी के साथ-साथ इसकी कीमतों में हुई दोगुणी से अधिक वृद्धि ने समस्या को खास तौर पर बढ़ा दिया है।

इसके पीछे कारण सिर्फ यही है कि भारत घरेलू आवश्यकता का लगभग 40 प्रतिशत बिटुमिन खाड़ी देशों से आयात करता है, जिसका कि इस समय मार्ग सुचारू नहीं है।

इसे गनीमत मान सकते हैं कि भारतीय तेल कंपनियों ने लगातार अपना उत्पादन बढ़ाया है और खपत भी लगातार बढ़ी है, अन्यथा आयात पर इससे अधिक निर्भरता हालात को और चुनौतीपूर्ण बना सकती थी। हालांकि, निर्माण ठेकेदार बिटुमिन किल्लत और दाम वृद्धि का मुद्दा सरकार के सामने उठा चुके हैं और सरकार के स्तर से तेल कंपनियों के साथ लगातार वार्ता जारी है।

इन दिनों अलग-अलग राज्यों से ऐसी विकास परियोजनाओं के प्रभावित होने की खबरें सामने आ रही हैं, जिनमें बिटुमिन (डामर) का प्रयोग है। हाल ही में हाईवे निर्माण से जुड़े ठेकेदार भी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के चेयरमैन संतोष यादव से मिले थे और बैठक में बिटुमिन की कमी और कीमतों में वृद्धि की समस्या को सामने रखा था।

बिटुमिन की कमी से विकास कार्यों पर गहराया संकट- नएचएआइ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में प्राधिकरण ने भारतीय तेल कंपनियों से भी वार्ता की तो तेल कंपनियों की ओर से आश्वस्त किया गया कि उनके पास पर्याप्त स्टॉक है और वह अपनी क्षमता अनुसार बिटुमिन की आपूर्ति सुनिश्चित करने का प्रयास भी कर रही हैं।

बेतिया राज की अवैध जमीन पर अब बिहार सरकार का होगा कब्जा, कैबिनेट ने नियमावली को दी हरी झंडी

पटना/ जीएनएस। बिहार कैबिनेट ने बेतिया राज की अवैध कब्जे वाली जमीन को जब्त करने के लिए तैयार राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की नियमावली 2026 को मंजूरी दे दी है। बुधवार को हुई राज्य कैबिनेट की बैठक से मंजूरी मिलने के बाद बेतिया राज्य की जमीन पर राज्य सरकार का स्वामित्व कायम होने का रास्ता साफ हो गया।

बिहार और उत्तर प्रदेश में बेतिया राज की करीब 24 हजार एकड़ जमीन है। इसका बहुत बड़ा हिस्सा अवैध कब्जा में है। राज्य कैबिनेट ने बेतिया राज की वाराणसी स्थित 3.159 हेक्टेयर जमीन पर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग को हेलीपोर्ट बनाने की मंजूरी भी दे दी है। इसका स्वामित्व बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अधीन रहेगा।

इस जमीन से जुड़ा एक मामला इलाहाबाद उच्च न्यायालय में भी लंबित है। सरकार का यह निर्णय न्यायालय के अगले आदेश के फलाफल पर निर्भर करेगा। सरकार ने पटना सिटी के संदलपुर में राष्ट्रीय अंतर्देशीय नौवहन संस्थान को करीब तीन एकड़ जमीन देने का निर्णय किया। आरा के मौजा धनपुरा में नवीन केंद्रीय विद्यालय के लिए पांच एकड़ गैर-गजरूआ जमीन एवं मुंगेर जिला के हवेली खड़गपुर के मौजा मझगाय में 12.16 एकड़ जमीन खड़गपुर-तारापुर पथ के चौड़ीकरण के लिए देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिल गई है।

पश्चिम चंपारण क तौलाहा गांव में करीब छह एकड़ गैर-मजरूअर मालिक जमीन डिग्री कॉलेज की स्थापना के लिए शिक्षा विभाग को दी गई है। नवादा जिला के भदौनी में पांच एकड़ जमीन केंद्रीय विद्यालय के निर्माण के लिए 30 वर्षों की लीज पर दी गई है।

थर्मल पावर परियोजना- भागलपुर जिला के मौजा हरिणकोल में 12.54 एकड़ जमीन थर्मल पावर परियोजना के निर्माण के लिए दी गई है।

केवल S-400 ही नहीं, भारत को एक और घातक मिसाइल सिस्टम दे रहा है रूस; क्या है पैंटसिर?

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत और रूस के रक्षा संबंध लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। भारतीय वायुसेना को अजेय बनाने वाले S-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम की सफल डिलीवरी के साथ-साथ, अब भारत अपनी हवाई सुरक्षा में मौजूद छोटे-मोटे गैप्स को भरने के लिए रूस से पैंटसिर मिसाइल सिस्टम खरीदने की तैयारी कर रहा है। सैन्य हलकों में इस सिस्टम को S-400 का बॉडीगार्ड कहा जाता है।

बता दें कि S-400 को भारत में सुदर्शन चक्र नाम दिया गया है। रूस ने हाल ही में भारत को चौथा S-400 स्क्वाड्रन रवाना कर दिया है और पांचवां सिस्टम भी इसी साल के अंत तक मिलने की उम्मीद है। S-400 की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए रक्षा मंत्रालय ने फास्ट-ट्रैक प्रक्रिया के तहत रूस से कम से कम 13 पैंटसिर-स1 एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने की योजना बनाई है। इनमें से 10 सिस्टम भारतीय वायुसेना को मिलेंगे, जो S-400 बैटरी के इर्द-गिर्द तैनात होकर उसकी सुरक्षा करेंगे। बचे हुए 3 सिस्टम भारतीय सेना को मिलेंगे, जिन्हें संवेदनशील फॉरवर्ड सीमाओं पर तैनात किया जाएगा।

डील के तहत शुरुआती बैच सीधे रूस से आयात किया जाएगा। इसके बाद मेक इन इंडिया पहल के अंतर्गत भारत की निजी रक्षा कंपनियों के सहयोग से 40 अन्य पैंटसिर सिस्टम भारत में ही बनाए जाएंगे, जिससे स्वदेशी उत्पादन को बड़ा बूस्ट मिलेगा। पैंटसिर-स1 एक शॉर्ट-रेंज एयर डिफेंस सिस्टम है, जिसे ट्रक के चेसिस पर लगाया जाता है। यह एक हाइब्रिड सिस्टम है, यानी इसमें मिसाइलों के साथ-साथ खतरनाक तोपों का भी इस्तेमाल किया गया है। खुद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास की सुरक्षा में भी यही सिस्टम तैनात है। हथियारों का कॉम्बिनेशन - यह 12 गाइडेड सरफेस-टू-एयर मिसाइलों और दो 30द्वद्व की डुअल ऑटोमैटिक तोपों से लैस है। रेंज और रडार - इसका उन्नत रडार 36 किलोमीटर दूर से ही 20 अलग-अलग टारगेट्स को एक साथ ट्रैक कर सकता है। इसकी मिसाइलें 12 से 18 किमी दूर और 15 किमी की ऊंचाई तक मार कर सकती हैं, जबकि इसकी तोपें 4 किमी की परिधि में घुसने वाले किसी भी टारगेट को छलनी कर सकती हैं। सुपरफास्ट रिएक्शन - इस सिस्टम का रिएक्शन टाइम मात्र 4 से 6 सेकंड है। यानी खतरा रडार पर आते ही यह पलक झपकते हमला कर देता है।

जलूद सोलर प्लांट राष्ट्रीय उपलब्धि है : मुख्यमंत्री

खरगोन जिले के जलूद में 271 करोड़ की लागत से बने 60 मेगावाट के सोलर पॉवर प्लांट का हुआ लोकार्पण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जलूद सोलर पॉवर प्लांट का लोकार्पण मध्यप्रदेश के साथ देशभर के लिए महत्वपूर्ण है। यहां सूर्य के प्रकाश को बिजली के रूप में बदलकर इंदौर नगर निगम लाभान्वित हो रहा है। लगभग 60 मेगावॉट क्षमता की इस परियोजना में भारत सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग मिला है। ग्रीन बॉन्ड स्कीम के माध्यम से इस परियोजना में देश की जनता को भागीदार (पार्टनर) बनाया है। पीपीपी मोड में कार्य करने वाला यह अपनी तरह का देश का प्रथम संयंत्र है। इस तरह से नाते इस राष्ट्रीय उपलब्धि का श्रेय मध्यप्रदेश को जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव खरगोन जिले में महेश्वर के निकट जलूद में 271 करोड़ की लागत से बने 60 मेगावाट सोलर पॉवर प्लांट का लोकार्पण कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संयंत्र का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस परियोजना में कोई भी व्यक्ति एक-एक लाख के 10 बॉन्ड खरीद सकता है। एक लाख पर लगभग 8 प्रतिशत की बचत होगी, जिसका लाभ 20 साल तक मिलेगा। अगर जरूरत पड़े तो इस बॉन्ड को बेचा भी जा सकता है। इस प्रकार से राज्य सरकार ने घर बैठे लोगों को पैसे कमाने का अवसर दिया है। मध्यप्रदेश सबसे सस्ती बिजली देने वाला राज्य है। हमारी बिजली से दिल्ली में मेट्रो ट्रेन चल रही है। जलूद सोलर पॉवर प्लांट का भूमि-पूजन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2023 में किया था। लोकार्पण अवसर पर प्रदेश में हरित ऊर्जा पर जारी कार्यों पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जलूद सोलर पॉवर प्लांट से दोहरा लाभ मिलेगा। इंदौर नगर निगम को बिजली तो मिलेगी ही, साथ में कार्बन उत्सर्जन भी कमी आएगी। बिजली उत्पादन में ग्रीन एनर्जी का नवाचार सर्वोत्तम है। इस परियोजना की लागत 10 साल में निकल जाएगी, अगले 10 साल सिर्फ लाभ के होंगे। मध्यप्रदेश बदल रहा है। एक समय था, जब रात में बिजली कटौती होती थी, दिन में बिजली तो मिलती ही नहीं थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंग्रेजी काल गणना के 12 महीने भी भारतीय खगोल मापदंड के आधार पर बने हैं। हमारे खगोल वैज्ञानिकों ने आर्यभट्ट के दौर में बता दिया था कि सूर्य की परिक्रमा करने में सभी ग्रहों को अलग-अलग समय लगता है। शनि ग्रह का एक वर्ष साढ़े 29 साल में पूर्ण होता है। सभी ग्रहों और नक्षत्रों की गति के आधार पर वैदिक ज्ञान से पता चलता है कि सूर्य और चंद्र ग्रहण कब होगा। मध्यप्रदेश के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से प्राचीन ज्ञान के आधार पर राज्य सरकार ने वैदिक घड़ी तैयार की है। पहले उज्जैन और उसके बाद काशी विश्वनाथ मंदिर में वैदिक घड़ी स्थापित की गई। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आज ही वाराणसी स्थित बाबा विश्वनाथ धाम में सम्राट विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का अवलोकन किया है। मध्यप्रदेश सरकार के सहयोग से सभी द्वादश ज्योतिर्लिंग परिसरों में यह वैदिक घड़ी लगाई जा रही है।

भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इंदौर के भव्य प्रतिमा प्रतिष्ठा महोत्सव का निमंत्रण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भोपाल में आयोजित एक औपचारिक भेंट के दौरान डॉ. मोहन यादव को इंदौर में होने वाले भव्य प्रतिमा प्रतिष्ठा महोत्सव का ससम्मान आमंत्रण प्रदान किया गया। यह महोत्सव 2 से 4 मई 2026 तक तिलक नगर स्थित राजेंद्रसूरी गुरु मंदिर में आचार्य श्रीमद्विजय हितेशचंद्र सूरीश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा में आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री को आमंत्रित करने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में मेघराज जैन, अनूप कटारिया, संजय मोदी, प्रेम कमल वागरेचा एवं सौरभ जैन प्रमुख रूप से शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से आयोजन में पधारकर धर्मलाभ लेने और समारोह की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया। इस अवसर पर महोत्सव की धार्मिक गरिमा, विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा समाजजनों द्वारा की जा रही तैयारियों की विस्तृत जानकारी भी साझा की गई।

गौरतलब है कि इंदौर में 29 अप्रैल से 4 मई तक मंगल प्रवेश, नवकारसी, प्रवचन, जाजम वरघोड़ा एवं प्रतिमा प्रतिष्ठा जैसे अनेक भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न होंगे। इन आयोजनों के चलते शहर का वातावरण पूरी तरह से धर्ममय रहने की संभावना है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी देखने को मिलेगी। इस महोत्सव का संयुक्त संचालन श्री सौधर्म बृहत्तपागच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ, श्री आदिनाथ राजेंद्र जैन श्वेतांबर पेढ़ी ट्रस्ट, श्री मोहनखेड़ा तीर्थ, श्री राजेंद्र सूरी आराधना भवन एवं श्री पार्श्वनाथ राजेंद्र प्रतिष्ठा महोत्सव समिति द्वारा किया जा रहा है। आयोजन को लेकर जैन समाज में विशेष उत्साह और श्रद्धा का माहौल बना हुआ है।

राजा रघुवंशी हत्याकांडः जिस पिता ने तोड़ा था नाता, वही बने सोनम के जमानती

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपित सोनम रघुवंशी शिलांग पुलिस की कमजोर विवेचना के कारण 10 माह में ही जेल से बाहर आ गई। न्यायालय ने शिलांग पुलिस की विवेचना पर सवाल उठाए हैं। पुलिस ने चालान में धाराएं अलग-अलग लिख दी थीं। गिरफ्तारी की प्रक्रिया का पालन नहीं किया और ट्रायल में भी देरी कर दी। शिलांग के सत्र न्यायालय ने जमानत देते हुए अपनी टिप्पणी में कहा कि पुलिस ने गिरफ्तारी का कारण बताने वाला फार्म सही तरीके से नहीं भरा था। कई जगह अलग-अलग धाराएं लिखी गई थीं। ट्रायल में भी पुलिस ने देरी कर दी है। बता दें कि शिलांग पुलिस राजफाश कर चुकी है कि इंदौर के सहकार नगर निवासी कारोबारी राजा रघुवंशी की उसकी नवविवाहिता पत्नी सोनम ने हत्या की साजिश की थी। सोमवार को शिलांग के सत्र न्यायालय ने सोनम की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। मंगलवार को सोनम के वही पिता देवी सिंह उसकी जमानत के लिए शिलांग पहुंचे, जिन्होंने उससे रिश्ता तोड़ लिया था। उन्होंने न सिर्फ स्वयं उसके लिए मुचलके की रकम 50 हजार रुपये भरी बल्कि शिलांग के एक होटल संचालक को भी उसका जमानती बनवाया।

ड्राइविंग के दौरान मोबाइल का उपयोग पड़ा भारी, 118 चालान और 72 लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यातायात पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग करने वाले चालकों पर बड़ा एक्शन लिया है। पुलिस आयुक्त के निर्देशन और यातायात प्रबंधन के मार्गदर्शन में चल रहे इस अभियान के दौरान एक ही दिन में 118 वाहन चालकों के चालान बनाए गए, जो ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए पाए गए।

यातायात पुलिस के अनुसार, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग करना न केवल चालक के लिए बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों के लिए भी गंभीर खतरा बन जाता है और कई सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण भी है। इसी को ध्यान में रखते हुए सख्ती बढ़ाई गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए 72 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग बिल्कुल न करें और यदि जरूरी हो तो पहले वाहन को सुरक्षित स्थान पर रोककर ही फोन का इस्तेमाल करें। साथ ही सभी यातायात नियमों का पालन करने की भी अपील की गई है, ताकि शहर में सुरक्षित और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखी जा सके। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

इंदौर में गच्छाधिपति आचार्य श्री हितेशचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. का भव्य मंगल प्रवेश, श्रद्धा और भक्ति से सराबोर हुआ शहर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर की पावन धरती एक बार फिर धर्म, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास से गूंज उठी, जब गच्छाधिपति प.पू. आचार्य श्रीमद्विजय हितेशचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा का भव्य मंगल प्रवेश अत्यंत श्रद्धा और भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। तिलक नगर क्षेत्र में 2 से 4 मई तक आयोजित होने वाले प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत मंगलवार 29 अप्रैल को यह भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

प्रातः 9 बजे सौभाग्य विला, साकेत नगर से मंगल प्रवेश, प्रतिमा प्रतिष्ठा चल समारोह एवं जाजम वरघोड़ा प्रारंभ हुआ। इस दौरान गच्छाधिपति आचार्यदेव श्रीमद्विजय हितेशचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. के साथ ज्योतिषरत्न मुनिराज श्री दिव्यचन्द्रविजयजी म.सा., मुनिराज श्री पुष्पेंद्रविजयजी म.सा., मुनिराज श्री रूपेन्द्रविजयजी म.सा. एवं मुनिराज श्री वैराग्ययशविजयजी म.सा. विराजमान रहे। श्रमणीवृंद में साध्वी श्री किरणप्रभाश्रीजी म.सा., साध्वी श्री तत्वलोचनाश्रीजी म.सा., साध्वी श्री सौम्यदर्शिताश्रीजी म.सा., साध्वी श्री रश्मिरेखाश्रीजी म.सा. एवं साध्वी श्री विरागयशाश्रीजी म.सा. की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इससे पूर्व प्रातः 8 बजे साकेत क्लब में नवकारसी का आयोजन किया गया, जिसमें स्वर्गीय मानमलजी एवं कमलाजी की स्मृति में मोदी परिवार ने लाभ प्राप्त किया। इसके पश्चात शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई तिलक नगर स्थित श्री राजेंद्रसूरी आराधना भवन पहुंची, जहां आचार्यश्री के पावन प्रवचन एवं जाजम बिछाने का चढ़ावा सम्पन्न हुआ।

सायंकाल जाजम का वरघोड़ा लाभार्थी परिवार के निवास से प्रारंभ होकर श्री तिलकेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर होते हुए वाराणसी नगरी पहुंचा, जहां प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत चढ़ावे का कार्यक्रम प्रसिद्ध भजन गायक दीपक करनपुरिया द्वारा सम्पन्न कराया गया। पूरे आयोजन के दौरान शहर का वातावरण पूरी तरह धर्ममय बना रहा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं भक्ति देखने को मिली।

खजराना पुलिस की त्वरित कार्रवाई, मोबाइल स्नैचिंग करने वाला आरोपी कुछ ही घंटों में गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के खजराना थाना पुलिस ने तेज कार्रवाई करते हुए मोबाइल स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को कुछ ही समय में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी भीड़भाड़ और सुनसान जगहों का फायदा उठाकर झपटमारी की घटनाओं को अंजाम देता था और अपने शौक पूरे करने व जल्दी पैसे कमाने की नीयत से अपराध कर रहा था।

घटना 26 अप्रैल की है, जब फरियादी शिव ओम अपने घर से क्लार्क्स इन होटल के सामने सामान लेने जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात बाइक सवार ने उनके हाथ से आईफोन 14 प्रो मोबाइल झपटकर फरार हो गया। शिकायत मिलते ही खजराना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी की पहचान की।

मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने वाघेला गार्डन क्षेत्र में दबिश दी, जहां आरोपी पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शकील पटेल (27 वर्ष) निवासी खजराना क्षेत्र के रूप में हुई है, जो मजदूरी का काम करता है और सातवीं तक पढ़ा-लिखा है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 1.20 लाख रुपये कीमत का आईफोन 14 प्रो और घटना में प्रयुक्त पैशन प्लस मोटरसाइकिल सहित कुल लगभग 2.10 लाख रुपये का मशरूका जब्त किया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने शौक पूरे करने के लिए इस तरह की वारदातों को अंजाम देता था।

फिलहाल पुलिस आरोपी से अन्य झपटमारी और लूट की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

इस पूरी कार्रवाई में खजराना थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह सेंधव सहित पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि शहर में इस तरह के अपराधों पर नियंत्रण के लिए सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

भंवरकुआ पुलिस की 24 घंटे में बड़ी सफलता, शादी गार्डन पार्किंग में कार का कांच तोड़कर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के भंवरकुआ थाना पुलिस ने तेज कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर शादी गार्डन की पार्किंग में कार का कांच तोड़कर चोरी करने वाले शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम ने इस मामले में लगभग 400 सीसीटीवी कैमरों की जांच कर आरोपी तक पहुंच बनाई और चोरी गया माल भी बरामद कर लिया। घटना 27 अप्रैल की है, जब फरियादी केशव सोनी अपनी फॉर्च्यूनर कार से मल्हार गार्डन, पालदा में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। इसी दौरान अज्ञात बदमाश ने कार का कांच तोड़कर अंदर रखी लाइसेंसी पिस्टल और नगदी रुपये चोरी कर लिए। मामले की सूचना मिलते ही भंवरकुआ पुलिस ने तत्काल एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस आयुक्त के निर्देश और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में गठित टीम ने लगातार निगरानी रखते हुए और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपी सलमान खान को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान मुसाखेड़ी क्षेत्र निवासी 30 वर्षीय युवक के रूप में हुई है, जो पहले से आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहा है और उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पल्सर बाइक, एक पिस्टल, 7 जिंदा कारतूस और 1 लाख रुपये नगद सहित कुल लगभग 4 लाख रुपये का मशरूका जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में भंवरकुआ थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष दूधी सहित पुलिस टीम और साइबर सेल जोन-4 की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि शहर में इस तरह की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार सख्त अभियान जारी रहेगा।

लू-तापघात से करें बचाव, स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रीष्म ऋतु में तापमान में हो रही निरन्तर वृद्धि को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा लू-तापघात से बचने के लिए सामान्य उपाय बताए गए है। इस उपायों को अपनाकर कुछ सामान्य राहत मिल सकती है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि ग्रीष्म ऋतु में तापमान बढ़ने और गर्म हवा लगने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती है। वृद्ध, बच्चे, खिलाड़ी, धूप में काम करने वाले श्रमिक सर्वाधिक खतरे में रहते हैं। पसीना न आना, गर्म-लाल एवं शुष्क त्वचा, मतली, सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, उल्टियां होना, बेहोश हो जाना एवं पुतलियां छोटी हो जाना अत्यधिक गर्मी से प्रभावित होना व तापघात के प्रमुख लक्षण एवं संकेत हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि गर्मी व तापघात से बचाव के लिए खूब पानी पीये व खाली पेट न रहें, शराब व चाय-कॉफी के अधिक सेवन से बचें, ठण्डे पानी से नहाएं, सर ढके व हल्के रंग के ढीले व पूरी बांह के कपड़े पहने, बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़े, दिन में दोपहर 12 बजे से शाम 04 बजे के मध्य बाहर जाने से बचें, धूप में नंगे पाँव न चलें, बहुत अधिक भारी कार्य न करें। बाहर निकलना आवश्यक हो तो छतरी व धूप के चश्मे का उपयोग करें, धूप में निकलने से पहले कम से कम दो गिलास पानी अवश्य पिएं, बुखार व तापघात होने पर निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें। ढ.ऋ.रू. का घोल, नारियल पानी, छाछ, नींबू पानी, फलों का रस इत्यादि का सेवन लाभदायक होता है। ये सभी उपाय कर हमें गर्मी के प्रभाव से बचाते हैं। इन दिनों चिकित्सालयों में भी गर्मी से प्रभावित मरीजों में वृद्धि देखी जा रही है। चिकित्सकों द्वारा उन्हें पानी अधिक पीने, ठंडे पानी की पट्टियां रखने, ओआरएस का सेवन करने तथा दोपहर के समय धूप में न निकलने की सलाह दी जा रही है।

सर्वोच्च न्यायालय में समाधान समारोह - 2026 का आगाज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। न्याय को सरल, सुलभ एवं घर-घर तक पहुँचाने तथा आपसी सहमति के माध्यम से विवादों के समाधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाधान समारोह ढ़ 2026 का आयोजन 21 अप्रैल 2026 से प्रारंभ किया गया है, जिसके तहत न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत, भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा भारत के सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधिपति, सभी राज्य प्राधिकरणों के कार्यपालक अध्यक्ष व सभी उच्च न्यायालय विधिक सेवा समितियों के अध्यक्ष के साथ 22 अप्रैल को वीडियो कान्फ्रेंसिंग कर अभियान के क्रियान्वयन हेतु महत्वपूर्ण दिशा निर्देश प्रदान किए हैं। इस अभियान का समापन 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को सर्वोच्च न्यायालय परिसर में आयोजित विशेष लोक अदालत के साथ होगा।

इस विशेष लोक अदालत में सर्वोच्च न्यायालय में लंबित उपयुक्त मामलों का आपसी सुलह के आधार पर निपटारा किया जाएगा। इसके लिए पूर्व सुलह बैठकों का आयोजन राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के अंतर्गत स्थापित मध्यस्थता केंद्रों में किया जा रहा है, जहाँ प्रशिक्षित मध्यस्थ एवं संबंधित अधिकारी पक्षकारों की सहायता करेंगे। पक्षकार इन बैठकों में व्यक्तिगत रूप से अथवा वर्चुअल माध्यम से सम्मिलित हो सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य लंबित मामलों का शीघ्र, किफायती एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है, जिससे न्यायिक प्रक्रिया में समय एवं संसाधनों की बचत हो सके।

इच्छुक पक्षकार उच्चतम न्यायालय में अपने लंबित मामले को इस समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) में शामिल करने हेतु अंतिम तिथि- 31 मई 2026 तक सर्वोच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट https://www.sci.gov.in पर उपलब्ध गूगल फॉर्म https://forms.gle/pRWbif{wAPrcgMsZ} भर सकते हैं एवं किसी अन्य सहायता के लिए उच्चतम न्यायालय के वन स्टॉप सेंटर (वार रूम) के दूरभाष क्रमांक 011-23115652,,011-23116464,सी.आर.पी.निदेशक के दूरभाष क्रमांक 011-23115652, 011-23116465 लैंडलाइन (कक्ष संख्या 806 एवं 808, बी-ब्लॉक, अतिरिक्त भवन परिसर, सर्वोच्च न्यायालय)-011-23116464 ईमेल:speciallokadalatw2026@sci.nic.in पर संपर्क कर सकते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सभी अधिवक्ताओं, वादकारियों एवं संबंधित पक्षों से इस पहल में सक्रिय सहभागिता कर अपने मामलों के सौहार्दपूर्ण एवं त्वरित निपटारे हेतु आगे आने का अनुरोध किया गया है।

समाधान समारोह में उच्च न्यायालय इंदौर क्षेत्राधिकार हेतु चिन्हित किए गए मामलों में उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इंदौर के अंतर्गत आने वाले सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण /मध्यस्थता केंद्र प्रि-काउंसलिंग, समझौता कराने की कार्रवाई व समाधान समारोह का प्रभावी प्रचार- प्रसार करेंगे। उच्चतम न्यायालय में आयोजित हो रहे समाधान समारोह -2026 (विशेष लोक अदालत) के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के लिए अपने निकटतम विधिक सेवा संस्थान यथा तहसील विधिक सेवा समिति,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति अथवा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

लेक्टर शिवम वर्मा की तत्परता से गर्भवती महिला को मिली समय पर चिकित्सा सहायता

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन की जनसुनवाई व्यवस्था एक बार फिर जरूरतमंद नागरिकों के लिए उम्मीद और राहत का माध्यम साबित हुई। आर्थिक तंगी और पारिवारिक सहयोग के अभाव में कठिन परिस्थितियों का सामना कर रही 9 माह की गर्भवती महिला गायत्री ने अपने पति के साथ 21 अप्रैल को इंदौर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचकर सहायता की गुहार लगाई।

गायत्री और उनके पति ने प्रशासन को बताया कि उनके पास प्रसव के लिए पर्याप्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। पारिवारिक परिस्थितियां भी प्रतिकूल थीं तथा ससुराल पक्ष से सहयोग नहीं मिलने के कारण वे अत्यंत परेशान और असहाय महसूस कर रहे थे। ऐसे संवेदनशील समय में उन्होंने जिला प्रशासन से मदद की अपेक्षा की।

मामले की गंभीरता और मानवीय पक्ष को समझते हुए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने तत्काल संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। जिला प्रशासन की संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्यवाही के परिणामस्वरूप गायत्री को समय पर आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई। प्रशासन के समन्वित प्रयासों से उनका सुरक्षित प्रसव कराया गया।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने किया औचक निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार इंदौर जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य तेज गति से जारी है। जिला प्रशासन द्वारा किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज दोपहर लक्ष्मीबाई नगर अनाज मंडी पहुंचकर समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंडी में चल रही खरीदी प्रक्रिया, तौल व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। कलेक्टर श्री रोशन राय सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद थे।

किसानों से किया सीधा संवाद- निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री वर्मा ने मंडी में आए किसानों से सीधे संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। किसानों ने उपार्जन व्यवस्था को लेकर संतुष्टि व्यक्त की और बताया कि तौल एवं भुगतान की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो रही है। कलेक्टर श्री वर्मा ने किसान विश्राम गृह का भी निरीक्षण किया तथा वहां उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने केंटीन में किसानों के साथ बैठकर भोजन भी किया और व्यवस्थाओं की गुणवत्ता पर चर्चा की।

सुबह 9 से शाम 5 बजे के बीच बिजली सस्ती, स्मार्ट मीटर वालों को ही मिल रही छूट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्मार्ट मीटर लगवा चुके उपभोक्ताओं को व्यस्त घंटों को छोड़कर दिन में जलाई जा रही बिजली के खर्च पर छूट मिल रही है। स्मार्ट मीटर लगवाने के लिए लोगों के बीच जारी शंका और हिचक के बीच बिजली कंपनी ने यह घोषणा की है।

साथ ही में बीते महीने यानी मार्च में ऐसे उपभोक्ताओं को मिली छूट का आंकड़ा भी जारी कर दिया है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने मार्च में स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को शासन की योजना के अलावा अलग से करीब 13.50 करोड़ रुपये की अतिरिक्त छूट दी है।

13 लाख उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके- एनर्जी चार्ज में यह छूट दी जा रही है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अंतर्गत आने वाले इंदौर और उज्जैन संभाग के अलग-अलग जिलों में 13 लाख उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। इनमें पांच लाख 42 हजार से ज्यादा उपभोक्ता इंदौर के हैं।

बिजली कंपनी के चीफ इंजीनियर आरके जैन के अनुसार सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे के बीच जो भी बिजली का उपयोग होगा उसमें छूट देने का नियम लागू कर दिया गया है। इस दौरान उपयोग की जाने वाली बिजली के एनर्जी चार्ज पर 20 प्रतिशत की छूट दी जाती है। मोटा आकलन किया जाए तो प्रति यूनिट उपभोक्ता को करीब एक रुपये 25 पैसे बिजली सस्ती मिल रही है।

गर्म मौसम में बढ़ेगा यह आंकड़ा- फरवरी में स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को दिन के समय खर्च की गई बिजली पर करीब चार करोड़ रुपये की छूट मिली थी। मार्च में आंकड़ा 13.50 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। बिजली कंपनी के अनुसार जैसे-जैसे मौसम गर्म हो रहा है बिजली की दिन में खपत बढ़ रही है और कंपनी की ओर से दी जाने वाली छूट का आंकड़ा भी बढ़ रहा है। मई और जून मध्य तक भी यह दौर जारी रहेगा।

बिजली खपत का आंकड़ा आटोमैटिक रूप से भेजता है- कार्यपालन यंत्री प्रेम पालीवाल के अनुसार छूट सभी उपभोक्ताओं पर लागू होती है लेकिन बिना स्मार्ट मीटर के दिन के तय घंटों में होने वाली बिजली खपत को रिकॉर्ड नहीं किया जा सकता। दरअसल, स्मार्ट मीटर हर घंटे बिजली कंपनी के कंट्रोल रूम के सर्वर में बिजली खपत का आंकड़ा आटोमैटिक रूप से भेजता है।

ऐसे में दिन के तय घंटे जब छूट दी जाना है उसकी गणना संभव है। जबकि सामान्य पुरानी पीढ़ी के बिजली मीटर में प्रति घंटे की रीडिंग नहीं होती। ऐसे में सिर्फ स्मार्ट मीटर लगाने वालों को ही यह छूट मिल पा रही है।

12 लाख मीटरों का परीक्षण- बिजली कंपनी के अनुसार स्मार्ट मीटरों के परीक्षण के बाद ही उन्हें लगाया जा रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान इंदौर व उज्जैन में एनएबीएल दर्जे की लैब के साथ ही अन्य 12 लैब में कुल मिलाकर 12 लाख सोलह हजार मीटरों का परीक्षण किया गया है।परीक्षण के उपरांत ही शत-प्रतिशत मीटर स्थापित किए जाने से उपभोक्ता संतुष्टि में बढ़ोतरी एवं शिकायतों में कमी की स्थिति निर्मित हो रही है।

इन स्थानों पर मीटर टेस्टिंग लैब संचालित हो रही- पोलोग्राउंड इंदौर में नेशनल एक्रेडिएशनल बोर्ड फार टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज से मान्यता प्राप्त लैब है। उज्जैन में क्षेत्रीय मीटर परीक्षण लैब अत्याधुनिक स्तर की हैं।

स्लॉट बुकिंग बना किसानों के लिए मुसीबत, समर्थन मूल्य पर नहीं हो पा रही चना खरीदी, भावन्तर योजना में खरीदी की मांग तेज

किसानों ने दी आंदोलन की चेतावनी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर चना खरीदी के बड़े-बड़े दावों के बीच जमीनी स्तर पर हालात ठीक इसके उलट नजर आ रहे हैं। मल्हारगढ़ तहसील सहित आसपास के क्षेत्रों के किसान खरीदी प्रक्रिया में लागू की गई स्लॉट बुकिंग व्यवस्था से खासे परेशान हैं।

पंजीयन होने के बावजूद स्लॉट बुकिंग नहीं हो पाने से किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए भटकना पड़ रहा है और उन्हें बार-बार तारीख दी जा रही है, जिससे उनमें भारी आक्रोश व्याप्त है। पिपलियामंडी स्थित विपणन सहकारी समिति द्वारा चना खरीदी की जा रही है, लेकिन व्यवस्थाओं की कमी, तकनीकी खामियों और प्रशासनिक ढिलाई के चलते किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार सुबह करीब 10 बजे किसानों की शिकायतों के बाद मल्हारगढ़ ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा, कांग्रेस नेता दिनेश गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी खरीदी केंद्र पहुंचे। यहां उन्होंने किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस मौके पर राजेश शर्मा (दोबड़ा), रुपसिंह शक्तावत, कृपालसिंह रिंच्छा, अनिल प्रजापत (खेड़ाखादान) सहित कई किसानों ने बताया कि चना बेचने के लिए स्लॉट बुकिंग करना अनिवार्य किया गया है, लेकिन बार-बार प्रयास करने के बावजूद स्लॉट नहीं मिल पा रहा है। किसानों के अनुसार ऑनलाइन प्रक्रिया जटिल होने के साथ-साथ तकनीकी दिक्कतों से भी घिरी हुई है। अधिकारियों द्वारा 6 मई से स्लॉट बुकिंग शुरू होने की बात कही जा रही है, जिससे किसानों में असमंजस और चिंता का माहौल बना हुआ है। किसानों का कहना है कि जब फसल का पंजीयन पहले ही पूरा हो चुका है, तो स्लॉट बुकिंग जैसी अतिरिक्त प्रक्रिया लागू करना पूरी तरह से अनुचित है।

किसानों ने खरीदी केंद्रों पर अत्यधिक सख्ती और बार-बार जांच किए जाने पर भी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि उपज की गुणवत्ता जांच के नाम पर बार-बार रोक-टोक की जाती है, जिससे खरीदी प्रक्रिया धीमी हो जाती है। कई किसानों को अपनी उपज लेकर कई दिनों तक केंद्र पर इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें परिवहन, मजदूरी और अन्य खर्चों का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ रहा है।

कांग्रेस नेता अनिल शर्मा ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यह पूरी व्यवस्था किसानों को परेशान करने वाली है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बड़े व्यापारियों से साठगांठ कर किसानों को मजबूर कर रही है कि वे अपनी उपज समर्थन मूल्य के बजाय कम दामों पर बेच दें। उन्होंने कहा कि किसानों पर सामाजिक और पारिवारिक जिम्मेदारियों का भारी दबाव रहता है, जैसे शादी-ब्याह, बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा के खर्च। ऐसे में समय पर भुगतान न मिलने और खरीदी में देरी के कारण किसान मजबूरी में अपनी उपज औने-पौने दामों में व्यापारियों को बेच रहे हैं। किसानों और कांग्रेस नेताओं ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि चने की खरीदी समर्थन मूल्य के बजाय भावन्तर योजना के तहत की जाए, ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके।

इसके साथ ही स्लॉट बुकिंग प्रक्रिया को सरल बनाने या पूरी तरह समाप्त करने की मांग भी उठाई गई है। उन्होंने कहा कि जब किसान पहले ही पंजीयन करा चुका है, तो अतिरिक्त प्रक्रियाओं में उलझाना उचित नहीं है। किसानों को सीधे खरीदी केंद्रों पर उपज बेचने की सुविधा दी जानी चाहिए। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। स्थानीय किसानों ने शासन से जल्द हस्तक्षेप कर खरीदी व्यवस्था को सुचारू बनाने, मुआवजा व बीमा राशि का शीघ्र भुगतान करने तथा किसानों को राहत देने की मांग की है।

श्री वीर हनुमान यात्रा आयोजन की समीक्षा बैठक सम्पन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री वीर हनुमान यात्रा आयोजन समिति की एक आवश्यक समीक्षा बैठक स्थानीय खाटू श्याम मंदिर के सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति के अध्यक्ष प्रहलाद काबरा एवं कोषाध्यक्ष दाऊ भाई विजयवर्गीय की उपस्थिति में हनुमान जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित तलाई वाले बालाजी की भव्य श्री वीर हनुमान यात्रा के आयोजन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष प्रहलाद काबरा ने कहा कि समिति के सभी सदस्यों, एवं श्रद्धालुओं के समर्पित सहयोग से यात्रा का आयोजन अत्यंत सफल एवं अनुकरणीय रहा। उन्होंने कहा कि व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन, अनुशासन एवं भक्तिमय वातावरण ने इस आयोजन को मंदसौर नगर ही नही अपितु दुरस्त क्षेत्रो तक विशेष पहचान दिलाई। काबरा ने समर्पित भाव से कार्य करने वाले सभी श्रद्धालुओं की सराहना करते हुए आगामी वर्ष इस यात्रा को और अधिक विराट स्वरूप देने का आह्वान किया। कोषाध्यक्ष दाऊ भाई विजयवर्गीय ने आयोजन की पारदर्शी वित्तीय व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए आय-व्यय का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। बैठक में प्रस्तुत वित्तीय प्रतिवेदन को उपस्थित सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। बैठक में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं सदस्यों ने यात्रा के दौरान प्रदर्शित आकर्षक झांकियों, सुव्यवस्थित मार्ग संचालन, सुरक्षा व्यवस्था एवं जनसहभागिता की सराहना की। साथ ही आगामी वर्षों में और अधिक नवाचार, व्यापक जनसंपर्क एवं सुविधाओं के विस्तार को लेकर सुझाव भी दिए गए। अंत में समिति की ओर से समस्त व्यवस्थाओं में जुटे कार्यकर्ताओं, सहयोगी संस्थाओं, दानदाताओं एवं नगरवासियों का आभार व्यक्त किया गया, जिनके सामूहिक प्रयास से यह आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सका। बैठक में ब्रजेश जोशी, गौरव अग्रवाल, लोकेश पालीवाल, प्रकाश सिसोदिया, नरेंद्र सिंह चौहान ,रमेश काबरा, दिलीप सोमानी, राजेंद्र चाष्टा, नरेंद्र कुमार त्रिवेदी, संजय सोनी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ग्राम कुरावन में हुई रात्रि चौपाल, कलेक्टर ने योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया भी समझाई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर जिले के सुदूर ग्राम कुरावन में आंगनवाड़ी भवन परिसर में आयोजित रात्रि चौपाल में कलेक्टर अदिती गर्ग ने ग्रामीणों के बीच बिछात पर बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी भी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने चौपाल के दौरान एक-एक ग्रामीण से संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देते हुए लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया भी समझाई गई। साथ ही बोर्ड परीक्षाओं में प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

कलेक्टर ने कहा कि रात्रि चौपाल का उद्देश्य गांव स्तर पर ही समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने ग्राम में सकारात्मक वातावरण और विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत स्थानीय समस्याओं के निराकरण का महत्वपूर्ण माध्यम है। चौपाल में ग्रामीणों द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रारंभ करने, नवीन पंचायत भवन निर्माण, सड़कों की मरम्मत, नाली निर्माण, बिजली व्यवस्था सुधार, राजस्व ग्राम घोषित करने, बैंक सुविधा उपलब्ध कराने, स्व-सहायता समूहों को रोजगार से जोड़ने तथा सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन जैसी विभिन्न मांगें रखी गईं। कलेक्टर ने सभी समस्याओं पर संबंधित अधिकारियों से मौके पर ही चर्चा कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से भी चर्चा की और टेक होम राशन का नियमित वितरण सुनिश्चित करने, कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें एनआरसी में भर्ती कर उपचार कराने तथा आगामी 7 दिनों में विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल में आसपास के ग्रामों के आम नागरिक, बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं-पुरुष उपस्थित रहे।

धन को भोग में मत गंवाओ, उसे धर्म, सेवा व परोपकार पर खर्च करो - डॉ. गौतममुनिजी

श्री जैन दिवाकर स्वाध्याय भवन शास्त्री कॉलोनी में लिफ्ट एवं शेड का हुआ लोकार्पण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लगभग 10 वर्षों के बाद मंदसौर नगर में प.पू. जैन संत उपाध्याय डॉ. गौतममुनिजी म.सा. व सेवाभावी संत श्री वैभवमुनिजी म.सा. का आगमन हुआ है। संतों के नगर आगमन के बाद प्रतिदिन स्थानकवासी जैन समाज के द्वारा विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी तारतम्य में कल बुधवार को नई आबादी शास्त्री कॉलोनी स्थित श्री जैन दिवाकर स्वाध्याय भवन में लगभग 17 लाख रू. की लागत से लगायी गयी लिफ्ट व 5 लाख रू. की लागत से बने शेड (किचन हेतु) का लोकार्पण कार्यक्रम प.पू. जैन संत श्री गौतममुनिजी म.सा. आदि ठाणा 2 की पावन निश्रा में किया गया। इस मौके पर विशाल धर्मसभा का आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं शामिल हुये। धर्मसभा में लिफ्ट व शेड के कार्य में सहयोगी दानदाताओं का सम्मान किया गया। उसके बाद श्रीमती शांता मेहता धर्मपत्नी स्व. गजेन्द्र मेहता के द्वारा लिफ्ट का तथा श्रीमती वीणा नाहटा धर्मपत्नी स्व. श्री वीरेन्द्र नाहटा द्वारा नवनिर्मित शेड का लोकार्पण किया गया। इस मौके पर श्रीमती मेहता व श्रीमती नाहटा का स्वागत जैन दिवाकर महिला मण्डल नई आबादी के द्वारा दुपट्टा एवं माला पहनाकर किया गया। इस मौके पर किचन शेड बनने के बाद वहां प्रतिदिन उपयोग होने वाली आवश्यक वस्तुओं के दानदाताओं की घोषणा भी की गयी। यह उल्लेखनीय है कि बापूलालजी अशोक कुमार आशीष कुमार उकावत परिवार ने किचन शेड हेतु आवश्यक निर्माण कार्य कराने की घोषणा की है। किचन शेड बनने से चातुर्मास अवधि में भोजनशाला कार्य संचालन में सुविधा होगी। लिफ्ट के लिये 13 लाख रू. की राशि दानदाताओं से एवं 5 लाख रू. की राशि श्री संघ ने व्यय की है।

धर्मसभा में प.पू. उपाध्याय श्री गौतममुनिजी म.सा. ने कहा कि धन को भोग विलास में मत उड़ाओ उसे धर्म, सेवा व परोपकार के कार्य पर खर्च करो। धन की तीन गति है भोग, दान व नाश। इसलिये जीवन में दान पुण्य करो। आपने कहा कि धन कमाने से ज्यादा धर्म में पुरुषार्थ करना कठिन है। मानव जीवन मिला है तो इसे केवल धन कमाने, आहार करने, निद्रा एवं काम वासना में मत गंवाओ धर्म में पुरुषार्थ करो। धर्मसभा में प.पू. श्री वैभवमुनिजी म.सा. ने भी अपने विचार रखे। धर्मसभा का संचालन अशोक झेलावत ने किया। धर्मसभा के उपरांत डॉ. संजीव नरेन्द्र मेहता परिवार एवं अनिल, अभिनव, लकी तलेरा परिवार के द्वारा प्रभावना वितरित की।

दो पीडित परिवार को आठ लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व उपखण्ड नीमच श्री संजीव साहु द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र भाग 6(4) के तहत सर्पदंश एवं कुए में डूबने से पीडित परिवारो को आठ लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई हैं। एसडीएम नीमच द्वारा नीमच निवासी कमलेश पिता प्यारचंद की कुए में डूबने से मृत्यु हो जाने पर मृतक के वारिस पत्नि रूकमणबाई को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई हैं। इसी तरह भेरूगढ़ निवासी ककूडी पति कालू की सर्पदंश से मृत्यु हो जाने पर मृतका के वारिस पुत्र मुकेश पिता कालू को 4 लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। तहसीलदार नीमच द्वारा आर्थिक सहायता का प्रकरण तैयार कर स्वीकृति के लिए एसडीएम नीमच को प्रस्तुत किया गया था।

नाबालिग का अपहरण, 5 लाख की फिरौती का आरोप–10 दिन बाद भी सुराग नहीं, परिजनों ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ठिकरिया डेम क्षेत्र से एक नाबालिग बालिका के कथित अपहरण का मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पीड़ित पिता ने जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर लिखित आवेदन सौंपते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, घटना 20 अप्रैल की रात करीब 11 बजे की है। जोरावरपुरा निवासी पिंटू नामक युवक पर आरोप है कि वह बालिका को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। घटना के बाद बालिका के पिता खुमानसिंह बंजारा ने थाना नीमच सिटी में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन करीब 10 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस को कोई ठोस सुराग नहीं मिल पाया है।

मामला उस समय और गंभीर हो गया जब परिजनों ने आरोप लगाया कि बालिका को छोड़ने के बदले 5 लाख रुपये की फिरौती मांगी जा रही है। परिवार का कहना है कि आरोपियों द्वारा लगातार फोन कर न केवल पैसे की मांग की जा रही है, बल्कि जान से मारने की धमकियां भी दी जा रही हैं।

पीड़ित परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि क्षेत्र में भय का माहौल बनाने के उद्देश्य से आरोपियों ने अपने ही घर में आग लगाकर झोपड़ी जलाने की घटना को अंजाम दिया। इस घटनाक्रम से इलाके में दहशत फैल गई है और परिजन बेहद भयभीत हैं।

परिवार ने आशंका जताई है कि इस पूरे मामले में एक से अधिक लोग शामिल हो सकते हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, बालिका को जल्द से जल्द सुरक्षित बरामद किया जाए और परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है, लेकिन समय बीतने के साथ परिजनों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है।

परोल से लौटे अशोक पर 'मौत की रफ्तार' से वार: स्कॉर्पियो से कुचलने की कोशिश, ICU में जिंदगी की जंग

रंजिश और मुखबिरी के शक में सिंगोली रोड पर सुनियोजित हमला

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के रतनगढ़ थाना क्षेत्र में सिंगोली मार्ग बुधवार को उस वक्त दहल उठा, जब परोल पर जेल से बाहर आए हाथीपुरा निवासी अशोक धाकड़ पर कथित तौर पर सुनियोजित तरीके से जानलेवा हमला कर दिया गया। आरोप है कि कुख्यात तस्कर पप्पू धाकड़ और उसके साथियों ने स्कॉर्पियो से टक्कर मारकर अशोक को कुचलने की कोशिश की।

गंभीर रूप से घायल अशोक को जिला अस्पताल के ट्रॉमा में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

लौटते वक्त घात, फिर जोरदार टक्कर- जानकारी के मुताबिक, अशोक अपनी पत्नी को मायके छोड़कर बाइक से वापस गांव लौट रहे थे। इसी दौरान सिंगोली मार्ग पर पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने उनकी बाइक को स्कॉर्पियो से टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि अशोक सड़क पर उछलकर गिरे और उन्हें हाथ, पैर व कमर में गंभीर

चोटें आईं। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

मुखबिरी के शक में रची गई साजिश- परिजनों का दावा है कि घटना के पीछे पुरानी रंजिश है। करीब तीन साल पुराने विवाद के बाद आरोपी पक्ष को अशोक पर पुलिस को सूचना देने (मुखबिरी) का शक था।

परिवार का आरोप है कि इसी शक के चलते लगातार धमकियां दी जा रही थीं और आखिरकार इस हमले को अंजाम दिया गया।

पुलिस पर सवाल- पहले चेताया था, फिर भी क्यों नहीं एक्शन- घायल के पिता देवीलाल धाकड़ ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पहले भी लिखित आवेदन देकर सुरक्षा की मांग की गई थी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

स्कॉर्पियो जब्त, आरोपी अब भी फरार- घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हमले में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो को जब्त कर लिया है। हालांकि मुख्य आरोपी पप्पू धाकड़ समेत अन्य आरोपी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में दबिश दे रही है।

दहशत में परिवार, सुरक्षा की मांग- हमले के बाद पीड़ित परिवार भय में है। उन्होंने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई के साथ परिवार की सुरक्षा की मांग की है। आशंका जताई जा रही है कि आरोपी दोबारा हमला कर सकते हैं।

सकल जैन श्वेतांबर एकता के पक्ष में होगा 122वां णमोकार महामंत्र जाप

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल विश्व णमोकार प्रेम मंडल नीमच द्वारा प्रत्येक पूर्णिमा पर आयोजित किए जाने वाले णमोकार महामंत्र जाप का आयोजन इस बार 1 मई 2026, शुक्रवार को किया जाएगा। कार्यक्रम वासुपूज्य स्वामी श्वेतांबर जैन मंदिर, इंदिरा नगर नीमच में शाम 8 से 9 बजे तक आयोजित होगा। मंडल अध्यक्ष पारस कांठेड़ एवं सचिव जितेंद्र सकलेचा ने बताया कि यह आयोजन प.पू. आचार्य देव निपुणरत्न सूरीश्वर जी महाराज साहब, शांत क्रांत गच्छाधिपति प.पू. आचार्य देव विजयराज जी महाराज साहब एवं राष्ट्र संत कमलमुनि जी कमलेश महाराज साहब के पावन आशीर्वाद से संपन्न होगा। उन्होंने बताया कि सकल जैन श्वेतांबर एकता के पक्ष में यह 122वां श्री णमोकार महामंत्र जाप है। कार्यक्रम में सुख, शांति, समृद्धि एवं आरोग्य की कामना के साथ सामूहिक जाप किया जाएगा। मंडल परिवार ने सभी धर्मानुरागियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। कार्यक्रम में प्रभावना एवं लकी ड्रॉ के लाभार्थी निर्मलकुमार-प्रवीणकुमार जैन परिवार रहेंगे। मंडल पदाधिकारियों के अनुसार णमोकार महामंत्र को असीम शांति, समृद्धि और पुण्यवृद्धि का कारक माना गया है।

71 ग्राम एमडी के साथ पकड़ा गया तस्कर, कोर्ट ने सुनाई 10 साल की सजा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई में विशेष न्यायालय एनडीपीएस एक्ट ने आरोपी को 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। मामले में आरोपी पर एक लाख रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है।

विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट जितेन्द्र कुमार बाजोलिया ने आरोपी अकरम खान (33) निवासी भिरियाखेड़ी ऊंचा, थाना निंबाहेड़ा सदर, जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) को धारा 8/22(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत दोषी मानते हुए यह फैसला सुनाया।

गुप्त सूचना पर हुई कार्रवाई- अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी एडीपीओ रितेश कुमार सोमपुरा ने बताया कि 3 जनवरी 2025 को केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) नीमच को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति स्विफ्ट कार में मादक पदार्थ मैथामफेटामाइन (एमडी) लेकर सेमली चंद्रावत-जावद रोड से पालराखेड़ा गांव की ओर जा रहा है।

सूचना के आधार पर सीबीएन टीम ने निवारक दल का गठन कर सुबह करीब 10:30 बजे सेमली चंद्रावत-जावद रोड पर घेराबंदी की। इसी दौरान मुखबिर के बताए अनुसार स्विफ्ट कार दिखाई दी, जिसका पीछा कर मोड़ी माताजी मंदिर के पास रोका गया।

आरोपी की जैकेट से मिली एमडी- टीम आरोपी और वाहन को आवश्यक कार्रवाई के लिए केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो कार्यालय नीमच लेकर पहुंची। तलाशी के दौरान आरोपी की जैकेट की बाईं जेब से काली पॉलीथीन में रखी 71 ग्राम अवैध एमडी बरामद की गई। इसके बाद टीम ने मादक पदार्थ और कार जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

कोर्ट में मजबूत पैरवी, दोष साबित- अनुसंधान पूरा होने के बाद प्रकरण विशेष न्यायालय नीमच में पेश किया गया।

विचारण के दौरान सीबीएन के विशेष लोक अभियोजक सुशील ऐरन ने महत्वपूर्ण गवाहों के बयान प्रस्तुत कर आरोपी द्वारा एमडी तस्करी किए जाने का अपराध संदेह से परे साबित किया।

मामले में शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक सुशील ऐरन ने की। वहीं सफल अभियोजन में अधिवक्ता नीरा यादव, सलोनी पोरवाल और निशा घारू का सराहनीय सहयोग रहा।

विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य सुधार की पहल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विद्यार्थियों में आत्महत्या एवं निराशा की प्रवृत्ति की रोकथाम तथा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के निराकरण हेतु मंगलवार 28 अप्रैल 2026 को कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में जिला मानसिक स्वास्थ्य निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमन वैष्णव, जिला महिला बाल विकास अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एस.एम.मांगरिया, सीएमओ श्रीमती दुर्गा बामनिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद, लीड कॉलेज प्राचार्य श्री प्रशांत मिश्रा, मानसिक रोग परामर्शदाता श्री गिरिराज सिंह चौहान, मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वाति वधवा एवं प्राध्यापक, मानसिक रोग विभाग मेडिकल कॉलेज नीमच उपस्थित थे।

लीड कालेज के प्राचार्य श्री प्रशांत मिश्रा ने उक?त जानकारी देते हुए बताया, कि इस बैठक में उपस्थितजनों द्वारा महत?वपूर्ण सुझाव दिए गए है।

नियमित परामर्श- विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य पर निरंतर परामर्श देने हेतु नियमित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए।

शारीरिक गतिविधियां- विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नियमित योग, व्यायाम, खेलकूद व गतिविधियों का आयोजन किया जाए।

शिक्षक पालक योजना- सभी संस्थाओं में शिक्षक पालक योजना लागू की जाए।

हेल्पलाइन का प्रचार: Govt. Mental Hospital हेल्पलाइन 18005990019, Tele MANAS 18008914416/ 14416, UMANG 1800115246 को सभी संस्थाओं में प्रदर्शित किया जाए।

अन्य सुझाव- परिसरों के आसपास नशे की रोकथाम, अकादमिक सुधारों के द्वारा परीक्षा का तनाव कम करना, कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के द्वारा रोजगार संबंधी परामर्श, विद्यार्थी एवं पालकों के बीच संवादहीनता को कम करना, विद्यार्थियों में मोबाइल का अनावश्यक उपयोग कम करना एवं मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग एप का प्रचार-प्रसार कर आवश्यकता पड़ने पर विद्यार्थियों को स्क्रीनिंग हेतु प्रेरित करने के सुझाव भी प्राप?त हुए है।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने विद्यार्थियों को योग, प्राणायाम, खेलकूद की गतिविधियों में भाग लेने हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने विद्यार्थियों को भारतीय परंपरा एवं संस्कृति से जोड़ने का सुझाव दिया। जिला प्रशासन ने सभी शैक्षणिक संस्थाओं से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने तथा विद्यार्थियों के लिए सकारात्मक वातावरण निर्मित करने की अपील की है।

सम्पादकीय

कुपोषित बचपन, कमजोर भविष्य और समाधान की दिशा

देश का भविष्य उसके बच्चे होते हैं, यह केवल भावनात्मक कथन नहीं बल्कि एक कठोर सामाजिक सत्य है। यदि यही भविष्य कुपोषण की गिरफ्त में हो, तो सशक्त राष्ट्र का सपना अधूरा ही रह जाता है। भारत में बाल कुपोषण आज एक गंभीर और बहुआयामी चुनौती के रूप में उभर रहा है। विभिन्न सरकारी और स्वतंत्र आंकड़ों के अनुसार देश के 34 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 34ङ्क35 लाख बच्चे कुपोषण से प्रभावित हैं, जिनमें करीब 50 प्रतिशत बच्चे गंभीर कुपोषण की श्रेणी में आते हैं। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं बल्कि सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर भी बड़ा प्रश्नचिह्न है। देश में हर वर्ष बाल दिवस जैसे आयोजनों पर करोड़ों रुपये खर्च होते हैं, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय जैसी संस्थाएं सक्रिय हैं, फिर भी जमीनी स्तर पर अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। यह विरोधाभास सोचने पर मजबूर करता है कि संसाधनों की उपलब्धता के बावजूद उनका समुचित उपयोग क्यों नहीं हो पा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्रालय मलेरिया, टीबी और अन्य संक्रामक रोगों पर अरबों रुपये खर्च करता है, जो आवश्यक भी है, परंतु बच्चों के पोषण जैसे मूलभूत मुद्दे पर उतनी ही गंभीरता और निरंतरता का अभाव स्पष्ट दिखता है। यदि देश के बच्चे ही शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर होंगे, तो वे भविष्य में राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका कैसे निभा पाएंगे। आंकड़े बताते हैं कि लगभग 18 लाख बच्चे गंभीर कुपोषण से पीड़ित हैं, जबकि शेष 16 लाख बच्चे मध्यम कुपोषण की स्थिति में हैं। राज्यों के स्तर पर देखें तो महाराष्ट्र में लगभग 6 लाख कुपोषित बच्चे दर्ज किए गए हैं, जिनमें 4.5 लाख से अधिक गंभीर रूप से प्रभावित हैं; बिहार में करीब 5 लाख, गुजरात में लगभग 3.5 लाख, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, असम और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों में भी लाखों बच्चे कुपोषण की चपेट में हैं। यहां तक कि देश की राजधानी दिल्ली में भी करीब 2 लाख बच्चों का कुपोषित होना यह दर्शाता है कि समस्या केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि प्रबंधन और क्रियान्वयन की कमजोरी भी है। वैश्विक स्तर पर स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है, जब हम वैश्विक भूख सूचकांक की ओर देखते हैं, जहां 2021 में भारत 116 देशों में 101वें स्थान पर पहुंच गया, जबकि 2020 में यह 94वें स्थान पर था। इसका सीधा अर्थ है कि स्थिति में सुधार के बजाय गिरावट आई है, और भारत अपने पड़ोसी देशों जैसे बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और भूटान से भी पीछे खड़ा है इसके पीछे भारत की 141 करोड़ की जनसंख्या भी हो सकती है। कुपोषण का प्रभाव केवल तत्काल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह बच्चों के शारीरिक विकास, मानसिक क्षमता और भविष्य की उत्पादकता पर भी गहरा असर डालता है। आंकड़ों के अनुसार लगभग 34 प्रतिशत कुपोषित बच्चों का कद औसत से कम रह जाता है जबकि करीब 21 प्रतिशत बच्चों का वजन अत्यंत कम हो जाता है । ऐसे बच्चे बड़े होकर भी कई बीमारियों के प्रति संवेदनशील रहते हैं और उनकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है, जिससे देश की समग्र उत्पादकता और विकास दर पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कोविड-19 महामारी ने इस समस्या को और गहरा कर दिया है, क्योंकि लॉकडाउन और आर्थिक संकट के कारण लाखों परिवारों की आय प्रभावित हुई, जिससे बच्चों के पोषण स्तर में गिरावट आई। आंगनबाड़ी सेवाओं, मिड-डे मील योजनाओं और अन्य पोषण कार्यक्रमों के बाधित होने से स्थिति और विकट हुई। यह समय है कि सरकारें और समाज दोनों मिलकर इस चुनौती का समाधान खोजें। केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन, निगरानी और पारदर्शिता पर विशेष ध्यान देना होगा। आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाना, पोषण ट्रैकर जैसी तकनीकों का सही उपयोग करना, मातृ शिक्षा और जागरूकता बढ़ाना, स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना, और सबसे महत्वपूर्ण गरीब परिवारों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना,ये सभी कदम मिलकर ही कुपोषण के खिलाफ प्रभावी लड़ाई लड़ सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इस दिशा में समन्वित प्रयासों पर जोर देता है, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और पोषण को एक साथ जोड़कर देखा जाए। यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज के हर वर्ग की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह इस दिशा में योगदान दे। यदि आज हम अपने बच्चों को स्वस्थ और पोषित नहीं बना पाए, तो आने वाला कल कमजोर और असंतुलित होगा। इसलिए आवश्यक है कि कुपोषण को एक राष्ट्रीय आपात समस्या के रूप में लिया जाए और मिशन मोड में ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि देश का भविष्य सुरक्षित, सशक्त और समृद्ध बन सके।

तप से हमारे सुप्त संस्कारों का जागरण होता है

तपस्या भी मानसिक, वाचिक और कर्म आधारित है। मन को सभी इंद्रियों व उनके सुख में जाने से रोकना मानसिक तप है। व्यर्थ नहीं बोलना और मौन रखना वाचिक तप है। किसी इच्छापूर्ति या पाने की आकांक्षा हेतु व्रत रखना या अपने शरीर को कष्ट देना जैसे हठयोग आदि सब शारीरिक तप है।

तप आध्यात्मिक जीवन की आधार-शिला है। तप आधार सब सृष्टि भवानी लिखकर संत तुलसी ने इसे महिमा मंडित किया है। तपस्वी अपने जीवन की दशा स्वयं निर्धारित करते हैं, जबकि सामान्य व्यक्तियों का जीवन पूर्णतः परिस्थितियों के अधीन होता है। तपस्वी तप की ऊर्जा से परिस्थिति की प्रतिकूलता को भी अपने अनुकूल बना लेते हैं। वस्तुतः तप करना एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसकी कुछ मर्यादाएं हैं। सनक में आकर कुछ भी करते रहने का नाम तप नहीं है। नमक न खाना, नंगे पांव चलना, भूखे रहना आदि क्रियाओं से शारीरिक कष्ट तो अवश्य होता है, किंतु कोई आध्यात्मिक लाभ नहीं प्राप्त होता। सुनिश्चित संकल्प के साथ तप पर अमल गुरु के निर्देशन में ही करना चाहिए। तप से हमारे सुप्त संस्कारों का जागरण होता है और यह जागरण हमारे आध्यात्मिक विकास को गति देता है। तप का उद्देश्य मात्र ऊर्जा का अर्जन ही नहीं, उस ऊर्जा का संरक्षण व सुनियोजन भी है। जो अपनी ऊर्जा को संरक्षित कर लेता है वह सामर्थ्यवान हो जाता है। तप कोई चमत्कार न होकर स्वयं का परिष्कार है।

सहज योग एक ऐसा ही परिष्कार है वहां चमत्कार स्वतः तो होते हैं पर तपस्या से, और यह तपस्या है ध्यान। सहज योग की प्रणेता हमारी परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने ध्यान की जो विधि बताई है वो आसान है समझने में। लेकिन सहज योग की मर्यादाओं का पालन करते हुए दिन में दो बार ध्यान में बैठकर सिखाई गई विधि से ध्यान धारणा करना है। धीरे - धीरे नाड़ियां शुद्ध होती हैं और हम चैतन्य के प्रवाह(हथेली में ठंडी हवा का बहाव) को महसूस करने लगते हैं। यही चैतन्य हमारी जिंदगी में आश्चर्यजनक बदलाव लाते हैं। हम स्वयं को भी निरोगी रख पाते हैं और दूसरों को भी। ध्यान धारणा से जागृत चक्र हमारे सद्गुणों को भी जागृत करते हैं। गृहस्थ जीवन जीते हुये अपने परिवार और समाज के प्रति संपूर्ण दायित्व निभाते हुये सहज योगी बना जा सकता है।

अहंकार तप के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है। अतः ईश्वर प्राप्ति के लिए अहंकार को त्यागना ही पड़ता है। तपस्या करने में असुर सबसे आगे रहे हैं। तपस्या के द्वारा वे भगवान से मनचाहा वरदान प्राप्त करते रहे हैं। आलस्य को त्यागकर वर्षों तक कठोर तपस्या करने का साहस उनमें होता है, किंतु अपने अहंकार का त्याग न कर पाने के कारण वे तप से प्राप्त ऊर्जा का दुरुपयोग करते हैं। सहज योग हमें सकारात्मक उर्जा देता है। नकारात्मक सोच के साथ भी यदि कोई सहज योग का अभ्यास करता है तो उसके सोच में भी बदलाव आने लगता है। यह बदलाव ही हमें जीवन की सही दिशा देता है।

स्कूल की चौखट पर खड़ा बाजार, भीतर सिमटती शिक्षा

निजी विद्यालयों में एनसीईआरटी पुस्तकों के अनुपालन का सवाल अब महज़ पाठ्य सामग्री का विवाद नहीं रहा, बल्कि यह देश की शिक्षा व्यवस्था के चरित्र की परीक्षा बन चुका है। जब एक ओर कानून स्पष्ट दिशा देता हो और दूसरी ओर संस्थान स्वार्थवश उससे भटकें, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि नैतिक विचलन का संकेत होता है। अप्रैल 2026 में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा केंद्र, सीबीएसई और सभी राज्यों को जारी नोटिस ने इस विडंबना को उजागर किया है। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या शिक्षा का अधिकार कानून केवल औपचारिक घोषणा बनकर रह गया है, या उसे लागू करने की प्रतिबद्धता ही क्षीण हो गई है। यह पूरा घटनाक्रम बताता है कि शिक्षा में समानता का मूल सिद्धांत निरंतर दबाव और उपेक्षा के बीच संघर्ष कर रहा है।

शिक्षा का अधिकार कानून 2009 की धारा 29 ने स्पष्ट रूप से यह प्रावधान किया था कि प्रारंभिक शिक्षा (कक्षा 1 से 8) में पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों का निर्धारण एनसीईआरटी या संबंधित एससीईआरटी द्वारा किया जाएगा। इसी सोच के तहत एनसीईआरटी और एससीईआरटी को पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों के निर्धारण का अधिकार सौंपा गया। इन संस्थाओं द्वारा तैयार पुस्तकें न केवल शैक्षणिक रूप से संतुलित और विश्वसनीय होती हैं, बल्कि आम परिवारों के लिए किफायती भी रहती हैं। इसके विपरीत, निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें इस मूल उद्देश्य को कमजोर करती हैं। जब एक ही कक्षा की पुस्तकों पर हजारों रुपये खर्च होने लगें, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या शिक्षा अब अधिकार से ज्यादा एक लाभकारी व्यापार में बदलती जा रही है।

निजी विद्यालयों में महंगी पुस्तकों को अनिवार्य बनाना कोई आकस्मिक भूल नहीं, बल्कि एक सुव्यवस्थित आर्थिक तंत्र की ओर संकेत करता है। कई स्थानों पर स्कूल और प्रकाशक मिलकर ऐसा गठजोड़ रचते हैं, जिसमें शिक्षा का उद्देश्य पीछे छूट जाता है और मुनाफा केंद्र में आ जाता है। अभिभावकों को ÷उच्च गुणवत्ता÷ और ÷अधिक उपयोगी सामग्री÷ का हवाला देकर इन पुस्तकों को खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है, जबकि इन दावों की ठोस पुष्टि प्रायः नहीं होती। इस पूरी प्रक्रिया में अभिभावकों की विवशता का व्यवस्थित दोहन होता है और वे विरोध करने में असहाय महसूस करते हैं। ऐसी प्रवृत्ति शिक्षा के नैतिक आधार को कमजोर करती है और संस्थागत विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है।

सबसे चिंताजनक परिणाम एक तेजी से गहराते शिक्षा-विभाजन के रूप में सामने आता है। जहां सरकारी विद्यालयों के बच्चे सस्ती, मानकीकृत और समान पुस्तकों से पढ़ते हैं, वहीं निजी स्कूलों के छात्र महंगी और अलग सामग्री पर निर्भर होते हैं, जिससे उनके ज्ञान का आधार ही भिन्न बन जाता है। यही अंतर आगे चलकर अवसरों की खाई को और चौड़ा कर देता है। मध्यम और निम्न वर्गीय परिवार पहले से ही शिक्षा पर बढ़ते खर्चों का दबाव झेल रहे हैं, ऐसे में किताबों का अतिरिक्त आर्थिक बोझ उनके लिए बेहद असहनीय हो जाता है। यह स्थिति केवल आर्थिक असमानता को नहीं बढ़ाती, बल्कि समाज में गहराते असंतुलन और विभाजन को भी और मजबूत करती है।

इस पूरे परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की पहल एक महत्वपूर्ण और समयोचित हस्तक्षेप के रूप में सामने आती है, जिसने शिक्षा के अधिकार को मानवाधिकार के व्यापक दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता को और स्पष्ट किया है। अनावश्यक तथा भारी-भरकम पुस्तकों का बढ़ता बोझ बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जो राष्ट्रीय स्कूल बैग पॉलिसी 2020 की मूल भावना के विपरीत है। यदि राज्य सरकारें और संबंधित संस्थाएं अब भी इस मुद्दे पर उदासीन बनी रहती हैं, तो यह केवल प्रशासनिक अक्षमता नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्वों की स्पष्ट उपेक्षा मानी जाएगी। इसलिए इस विषय को अब सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ठोस और प्रभावी कदम उठाना अनिवार्य हो गया है।

अकादमिक स्वायत्तता का तर्क अक्सर इस व्यवस्था को सही ठहराने के लिए दिया जाता है, पर इसकी वैधता तभी तक है जब तक वह कानून की सीमाओं में रहे। जब विधि स्पष्ट रूप से तय करती है कि पाठ्यपुस्तकों का चयन किन संस्थाओं के अधिकार में होगा, तब उस सीमा का उल्लंघन स्वतंत्रता नहीं, बल्कि अनुशासनहीनता का संकेत है। एनसीईआरटी की पुस्तकें विशेषज्ञों द्वारा राष्ट्रीय पाठ्यक्रम के अनुरूप तैयार होती हैं, जिससे उनकी विश्वसनीयता सिद्ध होती है। इसके विपरीत, निजी प्रकाशनों में आकर्षण अधिक, पर सामग्री की प्रमाणिकता पर सवाल बने रहते हैं। ऐसे में अकादमिक स्वतंत्रता के नाम पर व्यावसायिक हितों को बढ़ावा देना शिक्षा की मूल भावना के विरुद्ध है।

अब समय महज़ चर्चा का नहीं, ठोस और निर्णायक हस्तक्षेप का है। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर एक पारदर्शी, कड़ा और जवाबदेह निगरानी तंत्र विकसित करना होगा, जो कागज़ों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीन पर प्रभावी दिखे। निजी विद्यालयों की पुस्तक सूचियों का नियमित, निष्पक्ष और व्यापक ऑडिट सुनिश्चित किया जाए, तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर सख्त और उदाहरणात्मक कार्रवाई हो। जुर्माने से लेकर मान्यता रद्द करने तक के प्रावधानों को पूरी दृढ़ता के साथ लागू करना अनिवार्य है। साथ ही अभिभावकों को जागरूक और सशक्त बनाना होगा, ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें और किसी भी अनावश्यक आर्थिक बोझ के विरुद्ध निर्भीक होकर आवाज उठा सकें।

आखिरकार यह प्रश्न केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य और उसकी सामाजिक दिशा से गहराई से जुड़ा है। शिक्षा वही मजबूत आधार है जिस पर एक संतुलित और न्यायपूर्ण समाज की इमारत खड़ी होती है, और यदि इसी आधार में असमानता की दरार पड़ जाए, तो समावेशी विकास का सपना अधूरा रह जाता है। समान पाठ्य सामग्री सिर्फ शैक्षणिक जरूरत नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और अवसर की समानता का एक अहम स्तंभ है। अब सरकार और समाज—दोनों के सामने यह स्पष्ट विकल्प है कि शिक्षा को बराबरी का सेतु बनाया जाए या उसे विभाजन की खाई में बदलने दिया जाए।

-प्रो. आरके जैन

सीमाओं से परे बढ़ता सेवाओं का व्यापार

वैश्विक व्यापार में आ रहे बदलावों को समझने का एक तरीका है गुरुत्व मॉडल जो कहता है कि दो देशों के बीच होने वाला द्विपक्षीय व्यापार उनके आर्थिक आकार के समानुपाती और उनके बीच की दूरी के व्युत्क्रमानुपाती होता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के नवीनतम विश्व आर्थिक परिदृश्य में प्रकाशित एक अध्ययन दिखाता है कि सेवाओं के मामले में यह तर्क कमजोर हो रहा है, और हाल के दशकों में सेवाओं का निर्यात वस्तुओं की तुलना में कहीं तेजी से बढ़ा है।

2000 के दशक के शुरुआती वर्षों में, दूरी में 1 फीसदी की वृद्धि से सेवाओं के व्यापार में 0.63 फीसदी की कमी आती थी, ठीक वैसे ही जैसे वस्तुओं के व्यापार में। लेकिन 2022ङ्क23 तक यह प्रभाव घटकर 0.52 फीसदी रह गया। सरल शब्दों में कहें तो सेवाओं के लिए भौगोलिक दूरी का महत्त्व कम हो गया है। वर्ष2008 के वित्तीय संकट और 'स्लोबलाइजेशन' (वैश्वीकरण की धीमी होती प्रक्रिया) के बाद भी, सेवाओं का व्यापार वैश्विक वृद्धि का एक मजबूत वाहक बनता जा रहा है।

इस बदलाव को दो शक्तियां आगे बढ़ा रही हैं। पहली, सेवाओं की प्रकृति खुद बदल गई है। पहले सेवाओं के व्यापार में परिवहन और यात्रा का वर्चस्व था, जो लोगों और वस्तुओं की आवाजाही पर निर्भर करते थे और 2000 में सेवाओं के व्यापार का लगभग 70 फीसदी हिस्सा थे। लेकिन 2023 तक ऐसी सेवाओं का हिस्सा घटकर 40 फीसदी से भी कम हो गया। उनकी जगह आधुनिक सेवाएं मसलन सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त और व्यापार सेवाएं आदि आ गई हैं, जिन्हें बिना भौतिक निकटता के सीमाओं के पार पहुंचाना आसान है।

दूसरा, तकनीक ने व्यापार के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, क्लाउड कंप्यूटिंग और रिमोट वर्क ने कई सेवाओं को व्यापार योग्य बना दिया है। फिर भी, अनेक अवसर अब भी दोहन करने के लिए हैं। वैश्विक स्तर पर सेवाओं का व्यापार मुख्य रूप से विकसित अर्थव्यवस्थाओं में केंद्रित है। साथ ही, बाधाओं की प्रकृति भी बदल रही है। वस्तुओं के व्यापार में जहां शुल्क प्रमुख हैं, वहीं सेवाओं को नियामक और संरचनात्मक बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जैसे डेटा स्थानीयकरण नियम, लाइसेंसिंग आवश्यकताएं, विदेशी स्वामित्व पर प्रतिबंध और अनुपालन मानक। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव इन बाधाओं को और मजबूत कर रहे हैं, जिससे बाजार तक पहुंच अधिक जटिल हो रही है। भारत का सेवाओं का निर्यात कुछ ही बाजारों, विशेषकर अमेरिका और यूरोप पर निर्भर है, जिससे यह नियामक जोखिमों के प्रति संवेदनशील हो जाता है। यह महत्त्वपूर्ण है क्योंकि भारत का सेवाओं का व्यापार समग्र व्यापार प्रदर्शन का केंद्र बन गया है। वैश्विक सेवाओं के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 2005 में 1.9 फीसदी से बढ़कर 2023 में 4.3 फीसदी हो गई। वित्त वर्ष 25 में सेवाओं का निर्यात रिकॉर्ड 387.5 अरब डॉलर तक जा पहुंचा जो 13.6 फीसदी की वृद्धि है।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

करुणा, शांति और आत्मजागरण के प्रकाशस्तंभ हैं गौतम बुद्ध

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसे महापुरुष हुए हैं, जिनका जीवन केवल एक युग तक सीमित नहीं रहता, बल्कि युगों-युगों तक मानवता के पथ को आलोकित करता है। गौतम बुद्ध ऐसे ही एक अद्वितीय प्रकाशस्तंभ हैं, जिनका करुणा, अहिंसा और आत्मजागरण का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना ढाई हजार वर्ष पूर्व था। बुद्ध पूर्णिमा का पावन दिवस केवल एक ऐतिहासिक स्मृति नहीं, बल्कि आत्मबोध, समता और शांति के उस दिव्य संदेश का पुनर्स्मरण है, जिसकी आज के हिंसाग्रस्त और तनावपूर्ण विश्व को अत्यंत आवश्यकता है। बुद्ध पूर्णिमा का दिन अद्वितीय है, क्योंकि इसी दिन गौतम बुद्ध का जन्म, ज्ञानप्राप्ति और महापरिनिर्वाण-तीनों घटनाएं घटित हुईं। नेपाल के लुम्बिनी में जन्मे सिद्धार्थ ने बोधगया में बोधिवृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया और कुशीनगर में निर्वाण को प्राप्त हुए। इस दृष्टि से यह दिन केवल एक महापुरुष का स्मरण नहीं, बल्कि जीवन की पूर्णता, जागरण और मुक्ति का प्रतीक है। आज विश्व के विभिन्न देशों-श्रीलंका, थाईलैंड, म्यांमार, जापान, कोरिया और भारत में इसे विभिन्न नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। श्रीलंका में 'वेसाक' के रूप में दीपों और करुणा के उत्सव के रूप में यह दिन विशेष रूप से उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

गौतम बुद्ध एक प्रकाशस्तंभ है, जिसका प्रकाश केवल बाहरी दुनिया को ही नहीं, बल्कि भीतरी दुनिया को भी आलोकिक करता है। बुद्ध को सबसे महत्वपूर्ण भारतीय आध्यात्मिक महामनीषी, देवपुरुष, सिद्ध-संन्यासी, समाज-सुधारक धर्मगुरु माना जाता हैं। बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार भी माना जाता है, इस दृष्टि से हिन्दू धर्म में भी वे पूजनीय है। उन्हें धर्मक्रांति के साथ-साथ व्यक्ति एवं विचारक्रांति के सूत्रधार भी कह सकते हैं। उनकी क्रांतिवाणी उनके क्रांत व्यक्तित्व की द्योतक ही नहीं वरन् धार्मिक, सामाजिक विकृतियों एवं अंधरूढ़ियों पर तीव्र कटाक्ष एवं परिवर्तन की प्रेरणा भी है, जिसने असंख्य मनुष्यों का जीवन-निर्माण किया एवं उनकी जीवन दिशा को बदला। बुद्ध ने जब अपने युग की जनता को धार्मिक-सामाजिक, आध्यात्मिक एवं अन्य यज्ञादि अनुष्ठानों को लेकर अज्ञान में घिरा देखा, साधारण जनता को धर्म के नाम पर अज्ञान में पाया, नारी को अपमानित होते देखा, शुद्रों के प्रति अत्याचार होते देखे-तो उनका मन जनता की सहानुभूति में उद्वेलित हो उठा। लोकजीवन को ऊंचा उठाने के लिये उन्होंने जो हिमालयी प्रयत्न किये, वे अद्भुत और आश्चर्यकारी है। बुद्ध के अनुसार जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त करना है।

गौतम बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था, वे एक राजकुमार थे, किन्तु जीवन के दुख-जरा, व्याधि और मृत्यु ने उनके अंतर्मन को विचलित कर दिया। 29 वर्ष की आयु में उन्होंने राजवैभव का त्याग कर सत्य की खोज का मार्ग अपनाया। कठोर तप और साधना के पश्चात उन्होंने पाया कि न तो भोग का मार्ग उचित है और न ही अत्यधिक तप का। उन्होंने ÷मध्यम मार्ग÷ का सिद्धांत दिया-संतुलन, सजगता और समत्व का मार्ग। गौतम बुद्ध ने सारनाथ में अपना प्रथम उपदेश दिया, जिसे ÷धर्मचक्र प्रवर्तन÷ कहा जाता है। उनके चार आर्य सत्य-दुःख, दुःख का कारण, दुःख का निरोध और दुःखनिरोधगामिनी प्रतिपदा-मानव जीवन के गहन विश्लेषण और समाधान प्रस्तुत करते हैं। आज का विश्व युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, असहिष्णुता और मानसिक तनाव से जूझ रहा है। ऐसे समय में बुद्ध का करुणा एवं शांति का संदेश अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने स्पष्ट कहा- ÷द्वेष से द्वेष कभी समाप्त नहीं होता, प्रेम से ही द्वेष समाप्त होता है।÷ यह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं, बल्कि सामाजिक और वैश्विक शांति का सूत्र है। यदि आज के राष्ट्र, समाज और व्यक्ति इस एक सिद्धांत को आत्मसात कर लें, तो अनेक संघर्षों का समाधान संभव हो सकता है।

महात्मा बुद्ध के जीवन का एक प्रेरक प्रसंग उनकी करुणा और क्षमाशीलता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। एक व्यक्ति जो उन्हें निरंतर अपशब्द कहता था, जब दुर्घटनाग्रस्त होकर पीड़ा में पड़ा, तब बुद्ध स्वयं उसके पास पहुंचे, उसके घावों की सेवा की और अपने भिक्षुओं को उसकी देखभाल का निर्देश दिया। बुद्ध के इस अप्रत्याशित प्रेम और करुणा से उसका हृदय परिवर्तन हो गया और उसने अपने व्यवहार के लिए क्षमा मांगी। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि सच्ची महानता प्रतिशोध में नहीं, बल्कि क्षमा और करुणा में निहित है और यही भाव मानवता को जोड़ने की सबसे बड़ी शक्ति है।

बुद्ध ने केवल बाह्य हिंसा का विरोध नहीं किया, बल्कि मन की हिंसा-ईर्ष्या, क्रोध, लोभ और अहंकार को भी सबसे बड़ा शत्रु बताया। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही सच्चा विजेता है। हजारों युद्ध जीतने वाला भी उस व्यक्ति के सामने छोटा है, जिसने अपने मन को जीत लिया। गौतम बुद्ध ने उस समय के समाज में व्याप्त जातिवाद, छुआछूत और लैंगिक भेदभाव का विरोध किया। उन्होंने सभी मनुष्यों को समान बताया और कहा कि व्यक्ति की श्रेष्ठता जन्म से नहीं, कर्म से निर्धारित होती है। बुद्ध का संघ एक समतामूलक समाज का आदर्श उदाहरण था, जहाँ सभी वर्गों के लोग समान रूप से स्वीकार किए जाते थे। यही कारण है कि उनका आंदोलन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का भी आधार बना। बाद में भीमराव आम्बेडकर ने भी बुद्ध के इसी समतामूलक दृष्टिकोण को अपनाते हुए लाखों लोगों को सामाजिक सम्मान का मार्ग दिखाया। यह दर्शाता है कि बुद्ध का विचार केवल प्राचीन नहीं, बल्कि आधुनिक समाज के लिए भी उतना ही प्रासंगिक है।

महान करुणामूर्ति बुद्ध का एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश है- ÷अप्प दीपो भव÷ अर्थात् अपना दीपक स्वयं बनो। यह संदेश व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनने, अपने भीतर प्रकाश खोजने और बाहरी सहारों से मुक्त होने की प्रेरणा देता है। बुद्ध का चिंतन हमें भीतर झांकने, मन को निर्मल करने और करुणा, मैत्री, मुदिता एवं उपेक्षा जैसे भावों को जीवन में उतारने की प्रेरणा देता है। वे बताते हैं कि शांति बाहर नहीं, हमारे अंतर्मन में ही निवास करती है और जब मन जाग्रत होता है, तब अहंकार, क्रोध और हिंसा स्वतः विलीन हो जाते हैं। आज के अशांत और तनावग्रस्त वातावरण में बुद्ध का यह संदेश जन-जन को प्रेम, सह-अस्तित्व और सहिष्णुता की राह पर चलने के लिए प्रेरित करता है। आज जब व्यक्ति बाहरी उपलब्धियों, तकनीकी साधनों और भौतिक सुखों में उलझा हुआ है, तब यह संदेश उसे भीतर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करता है। मानसिक शांति, संतुलन और आत्मसंतोष केवल बाहरी साधनों से नहीं, बल्कि भीतर की सजगता और जागरूकता से प्राप्त होते हैं।

बुद्ध ने वर्तमान में जीने का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि अतीत की स्मृतियाँ और भविष्य की चिंताएँ मन को अशांत करती हैं। जो व्यक्ति वर्तमान क्षण में जीना सीख लेता है, वही सच्चे अर्थों में जीवन का आनंद प्राप्त करता है। आज के तनावग्रस्त जीवन में ÷माइंडफुलनेस÷ (सचेतनता) की जो अवधारणा विश्वभर में लोकप्रिय हो रही है, उसका मूल स्रोत बुद्ध की ही शिक्षाएँ हैं। यह दर्शाता है कि उनका दर्शन समय से परे है। आज मानवता जिन संकटों से जूझ रही है-पर्यावरणीय असंतुलन, युद्ध, सामाजिक विभाजन, मानसिक अवसाद, उनका समाधान केवल तकनीकी प्रगति से संभव नहीं है। इसके लिए मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। गौतम बुद्ध का करुणा, अहिंसा, समता और आत्मसंयम का संदेश इन सभी समस्याओं के समाधान की दिशा प्रदान करता है। यदि व्यक्ति अपने भीतर करुणा का विकास करे, तो समाज में शांति और सौहार्द स्वतः स्थापित हो सकते हैं।

बुद्ध पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का अवसर है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हम बुद्ध के बताए मार्ग पर चल रहे हैं या केवल उनके उपदेशों का औपचारिक स्मरण कर रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम बुद्ध को केवल पूजें नहीं, बल्कि उन्हें जियें। उनके विचारों को अपने व्यवहार में उतारें। करुणा, प्रेम, सहिष्णुता और समता को अपने जीवन का आधार बनाएं। जब प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर एक बुद्ध को जागृत करेगा, तभी एक शांत, संतुलित और समतामूलक विश्व की स्थापना संभव होगी। यही बुद्ध पूर्णिमा का सच्चा संदेश है और यही मानवता के उज्ज्वल भविष्य की दिशा भी।

-ललित गर्ग

रुपये को स्वतंत्र रूप से चलने दें: RBI का हस्तक्षेप फायदे से ज्यादा नुकसान पहुंचा सकता है

ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच युद्ध छिड़ने के बाद भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले लगातार दबाव में है। रुपये को संभालने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। हालांकि, आरबीआई ने जो उपाय किए हैं उनका विपरीत असर होने और विदेशी मुद्रा बाजार में व्यवधान उत्पन्न का खतरा है। इसके अलावा, जिन दबावों को दूर करने की कोशिश की जा रही है वे और अधिक प्रबल हो सकते हैं जिसका अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

फरवरी 2026 के अंत में जब युद्ध छिड़ा तो लगभग 730 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार से लैस आरबीआई ने आक्रामक हस्तक्षेप किया। केंद्रीय बैंक ने अकेले मार्च में हाजिर बाजार में 30 अरब डॉलर से अधिक की बिकवाली की और फॉरवर्ड मार्केट में भी बड़े पैमाने पर डॉलर बेचे। इन प्रयासों के बावजूद रुपया कमजोर होता रहा।

मार्च के अंत में आरबीआई ने अपनी रणनीति बदल दी। उसने नियामक प्रतिबंध लागू किए। केंद्रीय बैंक ने बैंकों को ऑफशोर नॉन-डिलिवरेबल फॉरवर्ड (एनडीएफ) बाजार में निवेश करने से रोक दिया और उनका दैनिक ऑनशोर फॉरेक्स एक्सपोजर 10 करोड़ डॉलर तक सीमित कर दिया। इन उपायों का कुछ तात्कालिक प्रभाव दिखाई दिया जिससे रुपये में थोड़े समय के लिए स्थिरता आई। मगर मुख्य प्रश्न यह है कि क्या यह रणनीति कायम रह सकती है।

संदेह करने के ठोस कारण हैं। पहली चिंता इन उपायों की व्यापक और अचानक वाली प्रकृति को लेकर है। आरबीआई ने न केवल नई पोजीशन पर रोक लगाई बल्कि बैंकों को मौजूदा पोजीशन को समाप्त करने का भी आदेश दिया जिसकी लागत कथित तौर पर 4,000-5,000 करोड़ रुपये थी। असल में बैंकों को उन कार्यों से रोका गया जो उनके लिए पूरी तरह से वैध थे। इस तरह की पूर्वव्यापी लागत से विश्वास कम होने और बैंकों के विदेशी मुद्रा बाजारों में अधिक सतर्क रहने का जोखिम बढ़ गया है।

कम भागीदारी से तरलता कम हो सकती है और जब यह कम होगी तो मुद्राएं अधिक अस्थिर हो जाती हैं। यह विशेष रूप से चिंताजनक है क्योंकि जिस गतिविधि पर रोक लगाई जा रही थी वह न तो अवैध थी और न ही संदिग्ध। इसका अधिकांश भाग साधारण आर्बिट्राज था (यानी घरेलू बाजार में डॉलर खरीदना और उन्हें विदेशी बाजार में बेचना और दोनों बाजारों में विनिमय दरों को संतुलित रखना)।

ये व्यापार पूरी तरह से सामान्य थे और आरबीआई की अनुमति से ही हो रहे थे। वास्तव में, कई वर्षों से आरबीआई मुद्रा के अंतरराष्ट्रीयकरण के व्यापक प्रयास के तहत रुपये में विदेशी व्यापार को प्रोत्साहित कर रहा था। सिंगापुर, लंदन और दुबई जैसे केंद्रों में एक विशाल ऑफशोर बाजार विकसित हो चुका है जिसका अनुमानित दैनिक कारोबार 70 अरब डॉलर है। भारतीय बैंकों को इस बाजार में भाग लेने से अचानक रोककर आरबीआई ने अपना पुराना रुख बदल दिया है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने इस कदम को अस्थायी बताया है मगर इस तरह के अचानक नीतिगत बदलाव से स्थिरता को लेकर चिंताएं बढ़ जाती हैं। बाजार के लिए ये उपाय एक असहज संकेत देते हैं कि स्थिति कहीं अधिक गंभीर हो सकती है जिसे शायद रिजर्व बैंक अकेले न संभाल पाए। निवेशकों को आश्वस्त करने के बजाय इससे विश्वास कम होने का खतरा है। यह हस्तक्षेप जिस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए किया गया था उसके बिल्कुल विपरीत है। एक और व्यापक चिंता भी है।

-धनंजय राजौरा

करेंसी नीति से भारत पर बढ़ रहा दबावः खुली अर्थव्यवस्था में रुपया संभालना हुआ और मुश्किल

भारत की आर्थिक नीति से संबंधित बहस में प्रशासनिक नियंत्रण और बाजार अर्थव्यवस्था के बीच का द्वंद्व बार-बार उभरता है। इन दिनों रिजर्व बैंक के विनिमय दर संबंधी कदमों में इन्हें महसूस किया जा सकता है। कई महीनों से आरबीआई रुपये के अवमूल्यन को रोकने के लिए कठिन प्रयास कर रहा है। ऐसा करते हुए, वह वित्तीय क्षेत्र के विकास की दीर्घकालिक परियोजना का बलिदान करने को भी तैयार दिखाई देता है। यह दो कारणों से दिक्कतदेह है। पहला, यह भारतीय अर्थव्यवस्था की संस्थागत नींव को कमजोर करता है, और दूसरा हर बार मुद्रा का बचाव ब्याज दरों में वृद्धि में बदल जाता है, जो वर्तमान समय में अर्थव्यवस्था के लिए उपयुक्त नहीं है। सबसे पहले यह स्वीकारना आवश्यक है कि विनिमय दर का मूल्यांकन ज्यादा है। 100 की वास्तविक प्रभावी विनिमय दर अब संतुलित विनिमय दर का सही पैमाना नहीं रही, क्योंकि हाल के वर्षों में बहुत कुछ बदल गया है-खासकर निर्यात में आई गिरावट और शुद्ध पूंजी प्रवाह में आई कमी। भुगतान संतुलन को फिर से संतुलित करने के लिए, विनिमय दर में गिरावट आना जरूरी है। भारत अब 1970 के दशक की बंद अर्थव्यवस्था नहीं रहा, बल्कि वह गहरे अंतरराष्ट्रीय संबंधों वाला एक बड़ा और जटिल तंत्र बन गया है। जब रिजर्व बैंक रुपये की कीमत तय करने की कोशिश करता है, तो उसे लाखों तर्कसंगत कर्ताओं की प्रोत्साहन संरचना से जूझना पड़ता है। एक परिष्कृत अर्थव्यवस्था में पूंजी के आवागमन के मार्ग अनेक और विविध होते हैं। जब बाजार प्रतिभागी यह मानते हैं कि रुपया अधिमूल्यित है और अवमूल्यन की संभावना है, तो वे तर्कसंगत प्रतिक्रिया देते हैं। निर्यातक अपनी आय को यथासंभव लंबे समय तक विदेशी खातों में रखते हैं। आयातक विदेशी वस्तुओं की खरीद में तेजी लाते हैं। व्यक्ति और कंपनियां अपने पोर्टफोलियो को विविध बनाने के लिए विदेशी संपत्तियां या सोना हासिल करती हैं। ये सभी क्रियाएं परिवारों और कंपनियों द्वारा अपनी शुद्ध संपत्ति की रक्षा करने के लिए तार्किक जोखिम-प्रबंधन प्रतिक्रियाएं हैं। निजी क्षेत्र की इन प्रतिक्रियाओं का पैमाना बहुत बड़ा है। लाखों प्रतिभागियों के संयुक्त निर्णय रिजर्व बैंक की प्रशासनिक प्रतिबंधों या मुद्रा भंडार की बिक्री के माध्यम से हस्तक्षेप करने की क्षमता को बहुत पीछे छोड़ देते हैं। जब रिजर्व बैंक वित्तीय विकास पर प्रहार करके नियंत्रण पुनः प्राप्त करने की कोशिश करता है-जैसे कुछ प्रकार के व्यापारों को प्रतिबंधित करना।

-सुनील कुमार महला

शहर को नॉन-अटेन्मेंट सिटी घोषित करने के बाद प्रदूषण नियंत्रण पर मंथन

एमएएनआईटी की स्टडी पर हुई विस्तृत चर्चा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दिल्ली द्वारा वायु अधिनियम 1981 की धारा 18 (1) (बी) के अंतर्गत देवास शहर को नॉन-अटेन्मेंट सिटी घोषित किए जाने के बाद शहर में वायु प्रदूषण नियंत्रण को लेकर प्रशासन सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छ वायु सर्वेक्षण के परिणामों एवं पूर्व बैठकों के विषयों पर चर्चा के लिए जिला स्तरीय निगरानी एवं क्रियान्वयन समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

एक्शन प्लान पर हुआ मंथन- नगर निगम के सभाकक्ष में महापौर श्रीमती गीता अग्रवाल, सभापति रवि जैन, विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, आयुक्त दलीप कुमार, नेता सत्तापक्ष मनीष सेन, स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिंह बैस की उपस्थिति में संपन्न हुई बैठक में शहर की वायु गुणवत्ता सुधारने हेतु एक्शन प्लान पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक के प्रमुख एजेंडा में मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल द्वारा शहर में की गई सोर्स अपोर्शनमेंट स्टडी पर विस्तार से चर्चा की गई। सर्वे टीम ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बताया कि शहर में वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोत कौन-कौन से हैं और किन कारणों से हवा में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है।

महापौर गीता अग्रवाल ने बताया कि वायु गुणवत्ता में देवास शहर 3 से 5 लाख की आबादी में देश में प्रथम रहा है। स्वच्छ वायु के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं ताकि भविष्य में भी शहर को स्वच्छ हवा एवं वातावरण मिले।

उद्योगों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण का मुख्य कारण - प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार देवास शहर की हवा में सबसे अधिक प्रदूषण उद्योगों से निकलने वाले धुएं एवं सड़कों पर उड़ने वाली धूल से हो रहा है। इसके बाद निर्माण कार्यों के दौरान उड़ने वाले महीन कण भी प्रदूषण में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

सभापति रवि जैन ने अपने सुझाव में कहा कि उद्योगों से निकलने वाले धुएं पर वायु गुणवत्ता को लेकर प्लान तैयार करना होगा। देवास के उद्योग हमारे शहर की इकोनॉमी हैं। उद्योगों को कोई नुकसान न हो और वायु की गुणवत्ता बनी रहे, इसी प्रकार से वैज्ञानिक तरीके से हमें हल निकालना होगा।

तीसरे प्रमुख स्रोत के रूप में वाहनों के धुएं से भी प्रदूषण फैल रहा है। इसके अलावा अन्य छोटे-बड़े कारण भी वायु गुणवत्ता को प्रभावित कर रहे हैं, जिन पर नियंत्रण की आवश्यकता बताई गई।

प्रदूषण नियंत्रण के उपायों पर चर्चा- बैठक में इन सभी बिंदुओं को गंभीरता से लेते हुए प्रदूषण नियंत्रण के लिए आवश्यक कदमों पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने सुझाव दिया कि वाहनों के उत्सर्जन पर नियंत्रण, सड़क धूल प्रबंधन, निर्माण स्थलों पर सख्त निगरानी तथा औद्योगिक प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण से वायु गुणवत्ता में सुधार लाया जा सकता है।

इस बैठक में निगम उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, जाकिर जाफरी, आरती खेड़ेकर, एन.के.एप. कन्सलटेंट से अनिल शर्मा, वर्षा जोशी, निगम प्र.कार्यपालन यंत्री इंदुप्रभा भारती, जगदीश वर्मा, प्र.स्वास्थ्य अधिकारी सौरभ त्रिपाठी, जितेन्द्र सिसोदिया, विश्वजीतसिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं विभागीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने शहर की वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया।

परेशान न हो पोर्टल शुरू होते ही मिलेगा भुगतान

कलेक्टर ने देखी उपार्जन केन्द्रों की व्यवस्थाएं, दिए निर्देश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रबी विपणन वर्ष 2026-27 अंतर्गत कलेक्टर ऋजु बाफना ने जिले के विभिन्न उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। कलेक्टर सुश्री बाफना ने प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति झोंकर (नर्मदा वेयर हाउस मक्सी), विपणन सहकारी संस्था शाजापुर उप शाखा मक्सी (जागीरदार वेयर हाउस मक्सी), प्राथमिक सहकारी संस्था मक्सी (मां अंबिका वेयर हाउस मक्सी), पैक्स बेरछा मंडी एवं पैक्स बिरगोद का निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने किसानों से चर्चा करते हुए कहा कि पोर्टल नहीं चलने के कारण बिल नहीं बन पा रहे हैं, लेकिन पोर्टल शुरू होते ही बिल बनाने की प्रक्रिया पूर्ण कर दी जाएगी। कलेक्टर ने संबंधित प्रबंधको को पोर्टल चालु होने पर बिल बनाकर किसानों का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने किसानों को बिल पर्ची पर सील एवं साईन कर देने के निर्देश संबंधित समिति प्रबंधक को दिये। उन्होंने सभी किसान भाईयों से कहा है कि किसान भाई परेशान नहीं हो, उनकी शतप्रतिशत उपज खरीदी जायेगी। कलेक्टर ने सर्वेयर को निर्देश दिए कि गेहूं को अनावश्यक रूप से रिजेक्ट न करें, बल्कि निर्धारित मापदण्डों के अनुसार जांच करें और किसानों के साथ मधुर व्यवहार रखें। साथ ही सभी सर्वेयर यह भी सुनिश्चित करें कि नॉन एवं एफएक्यू गुणवत्ता की सही तरीके से जांच करें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों पर उपस्थित किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अपने सामने ही उपज की तुलाई का परीक्षण किया। उन्होंने समिति प्रबंधकों को शासन के निर्देशानुसार निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप फसल की तुलाई करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने उपार्जन केन्द्रों पर बारदानों की उपलब्धता एवं परिवहन की जानकारी भी प्राप्त की। कलेक्टर ने इन सभी केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान तौल प्रक्रिया, भंडारण व्यवस्था, किसानों की बैठने की व्यवस्था, पेयजल, छाया एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति देखी। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपार्जन कार्य पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ संपन्न किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

महापौर ने जनसुनवाई के आवेदनों को निराकरण के लिए भेजा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 29 अप्रेल बुधवार को महापौर जनसुनवाई में महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल को नागरिकों द्वारा निगम संबंधि समस्याओं के आवेदन दिए। नागरिकों द्वारा महापौर को वार्ड 19 मृदुल विहार मे वर्षों से बंद पडी जीर्णशीर्ण पानी की टंकी को तोडने, वार्ड 42 मल्हार रोड स्थित गंगा पार्क कालोनी मे ड्रेनेज लाईन तथा साफ सफाई, मुक्तिधाम के नाले की दिवार बनाने एवं दाह संस्कार के स्थान पर सीमेंट कंक्रीट से पूरा लेवल करने एवं साफ सफाई करवाने के साथ ही अन्य निगम संबंधि समस्याओं के आवेदन नागरिकगणों के द्वारा दिये गये। महापौर ने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर उनका निराकरण समय सीमा मे किये जाने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान महापौर गीता अग्रवाल के द्वारा विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल के साथ प्रधानमंत्री स्वनिधि के 5 स्वीकृति पत्रों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर निगम स्वास्थ्य समिती अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिंह बैस, निगम उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, जाकिर जाफरी, प्र.कार्यपालन यंत्री इंदुप्रभा भारती, जगदीश वर्मा, प्र.स्वास्थ्य अधिकारी सौरभ त्रिपाठी, लेखा अधिकारी दिलीप गर्ग, सहायक यंत्री दिनेश चौहान, जितेन्द्र सिसोदिया, मुशाहीद हन्फी, उपयंत्री पलक श्रीवास्तव, सुर्यप्रकाश तिवारी, स्वच्छता निरीक्षक हरेन्द्रसिह ठाकुर, विशाल जोशी एवं नागरिकगण व हितग्राही उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर टाली की टक्कर से तीन बाईक सवार घायल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सुनेरा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-52 पर बुधवार दोपहर एक सड़क हादसा हो गया। मोल्डा जोड़ के पास गलत साइड से आ रही ट्रैक्टर-ट्राली ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए। घायलों की पहचान पनवाड़ी निवासी विशाल प्रजापति, नरेंद्र उर्फ राहुल और विकास व्यास के रूप में हुई है। तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर शाजापुर अपनी बाईक की सर्विसिंग कराने जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्राली ने उन्हें टक्कर मार दी। इसके बाद डायल 112 की मदद से घायलों को तुरंत शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

ऑपरेशन त्रिनेत्रम की पैनी नजर से 7 दिन में दबोचा गया 65 चोरियों का शातिर आरोपी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना बीएनपी क्षेत्र स्थित सदगुरु मोटर्स (होंडा) शोरूम में हुई चोरी का पुलिस ने मात्र 7 दिन में खुलासा करते हुए अंतर्राज्यीय शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने शोरूम का ताला तोड़कर कैश काउंटर व तिजोरी क्षतिग्रस्त कर 47,892 नगद और महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी कर लिए थे।

पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयवीर सिंह भदौरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बीएनपी निरीक्षक प्रीती कटारे के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

ऑपरेशन त्रिनेत्रम के तहत पुलिस ने 400 से अधिक CCTV कैमरों की जांच कर आरोपी की

गतिविधियों को ट्रेस किया। करीब 150 किमी तक पीछा करते हुए पुलिस ने आरोपी सचिन गौहर (44), निवासी नई बस्ती तिकोनिया, मुरार, ग्वालियर को भोपाल बायपास से गिरफ्तार किया।

आरोपी पर मध्यप्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के 13 जिलों में पिछले 18 वर्षों में 65 से अधिक चोरी, सेंधमारी और संपत्ति संबंधी अपराध दर्ज हैं। वह 22 मामलों में फरार चल रहा था।

पुलिस ने आरोपी से 58,150 नगद, घटना में प्रयुक्त क्रा5 मोटरसाइकिल सहित कुल 2.28 लाख का मश्रुका बरामद किया।

इस सफलता में सउनि कमलसिंह ठाकुर, प्रआर अभिषेक पाण्डेय, आर संदीप यादव, शंकर डोडियार, सिराज, उमेश, दीपेन्द्र शर्मा तथा साइबर सेल के प्रआर सचिन चौहान एवं शिव प्रताप सिंह सेंगर की सराहनीय भूमिका रही।

कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने पर पटवारी शैलेंद्र साहू निलम्बित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एसडीएम देवास अभिषेक शर्मा ने ग्राम छापरी तहसील देवास में पदस्थ पटवारी शैलेन्द्र साहू को कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने पर मध्य प्रदेश सिविल सेवाएँ (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के प्रावधान के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है ।

निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय टप्पा बरोठा तहसील देवास में रहेगा तथा निलंबन काल में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करने की पात्रता रहेगी । आदेश में उल्लेख है कि ग्राम छापरी में पदस्थ पटवारी शैलेंद्र साहू के सम्बंध में राजस्व कार्य सीमांकन आदि नही किए जाने संबंधी शिकायत प्राप्त हुई थी। इस संबंध में ग्राम छापरी में लम्बित सीमांकन प्रकरणों का अवलोकन किया गया जिसमें पटवारी हल्का द्वारा कई प्रकरणों में वर्तमान दिनांक तक सीमांकन कर प्रतिवेदन प्रस्तुत नही किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे उपार्जन केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण

प्रदेश में किसी भी समय,कहीं भी उतर सकता है मुख्यमंत्रीजी का हेलीकॉप्टर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में उपार्जन केंद्र पर चल रही गेहूँ उपार्जन की प्रक्रिया का आने वाले दिनों में आकस्मिक निरीक्षण करेंगे और किसानों से संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव यह भी देखेंगे कि निर्देशानुसार शासन-प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सभी सुविधाएं किसानो को प्राप्त हो रही है या नहीं।

किसानों भाइयों के लिये उपार्जन केन्द्रों में उपलब्ध सुविधाएँ- उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिए पीने का पानी, बैठने के लिए छायादार स्थान, जन सुविधाएं आदि की व्यवस्थाएं की गई हैं।

किसानों को समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय में किसी प्रकार की परेशानी न हो एवं उपज विक्रय के लिए इंतजार न करना पड़े इसके लिये किसानों को जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

किसानों को गेहूँ की तौल के लिये इंतजार नहीं करना पड़े इस हेतु उपार्जन केन्द्रों में तौल कांटों की संख्या बढ़ाकर 6 कर दी गई है और अधिक तौल कांटे बढ़ाने की सुविधा अब जिलो को दी गई है।

गेहूँ के लिये एफएक्यू मापदंड में शिथिलता प्रदान की गई है। चमक विहीन गेहूँ की सीमा 50 प्रतिशत तक की गई है। सूकड़े दाने की सीमा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत तक की गई है। क्षतिग्रत दानों की सीमा बढ़ाकर 6 प्रतिशत तक की गई है।

किसानों के उपज की तौल समय पर हो सके इसके लिये बारदाने, तौल कांटे, हम्माल तुलावटी, सिलाई मशीन, कम्प्यूटर, नेट कनेक्शन, कूपन ,गुणवत्ता परीक्षण उपकरण, उपज की साफ-सफाई के लिए पंखा, छन्ना आदि व्यवस्थाएं उपार्जन केन्द्र पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उपार्जन केन्द्र की क्षमता अनुसार उपज की तौल की जा सके एवं अधिक से अधिक किसानों से उपार्जन किया जा सके, इसके लिये उपार्जन केन्द्रों पर प्रतिदिन, प्रति उपार्जन केन्द्र पर गेहूं विक्रय के लिये स्लॉट बुकिंग की क्षमता 1000 क्विंटल से बढ़ाकर 2250 क्विंटल किया गया है , इसे जिले और अधिक बढ़ा कर प्रति केन्द्र 3000 क्विंटल कर सकते हैं।

किसानों से 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है।

किसानों की सुविधा के लिए खरीदी के लिये प्रत्येक शनिवार को भी स्लॉट बुकिंग एवं उपार्जन का कार्य जारी रहेगा।

किसानों के हित में सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी किसानों तक पहुँचाने के उद्देश्य से जनसंपर्क विभाग द्वारा तैयार किये गये पोस्टर एवं बैनर उपार्जन केन्द्रों में लगाये गये हैं।

शाजापुर के लिए 155 करोड़ रू. स्वीकृत

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश की मोहन कैबिनेट ने शाजापुर जिले के लिए लखुंदर उच्च दाब सूक्ष्म सिंचाई परियोजना को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बैठक में इस परियोजना के लिए 155 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। इससे क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा। यह परियोजना शाजापुर जिले के 17 गांवों और उज्जैन जिले की तराना तहसील के 7 गांवों को लाभान्वित करेगी। इसके तहत कुल 9 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद है। कैबिनेट बैठक में आमजन के हित, प्रदेश के विकास, स्वास्थ्य विभाग और अन्य सिंचाई परियोजनाओं से जुड़े कई अहम फैसलों पर भी मुहर लगाई गई। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चौतन्य कुमार काश्यप ने बैठक के बाद इन निर्णयों की जानकारी दी। मंत्री काश्यप ने बताया कि कैबिनेट ने कुल 53 हजार करोड़ रुपए की विभिन्न योजनाओं को वर्ष 2031 तक जारी रखने को भी मंजूरी दी है। यह निर्णय प्रदेश के समग्र विकास और विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है।

महिलाओं ने कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर बरसाए जुते-चप्पल

नारी शक्ति आक्रोश रैली में बड़ी संख्या में शामिल हुई महिलाएं, अन्य दलों पर भी बरसी महिलाएं

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। सबसे पहले महिलाओं ने नारी शक्ति आक्रोश रैली निकाली, जिसके बाद कांग्रेस, टीएमसी सहित अन्य विपक्षी दलों के पुतले पर जमकर जूते-चप्पल बरसाए। इसके बाद पुतले का दहन किया।

मंगलवार शाम भारतीय जनता पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने नारी शक्ति आक्रोश रैली निकाली।

यह रैली कांग्रेस, टीएमसी और अन्य विपक्षी दलों के खिलाफ रोष व्यक्त करने के लिए आयोजित की गई थी। रैली की शुरुआत मां राजराजेश्वरी मंदिर से हुई, जो टेंशन चौराहा और ट्रैफिक पाइंट होते हुए गांधी हाल पहुंची। ट्रैफिक पाइंट पर महिलाओं ने कांग्रेस, टीएमसी और अन्य विपक्षी दलों के विरोध में पुतले को चप्पलों से पीटा और फिर उसका दहन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

कांग्रेस ने छीना महिलाओं का अधिकार- रैली गांधी हाल पहुंचकर एक सभा में परिवर्तित हो गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रवक्ता नेहा बग्गा को शामिल होना था, लेकिन अस्वस्थता के कारण वह नहीं पहुंच सकीं। उनकी जगह भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री मोना सुस्तानी ने कार्यक्रम को संबोधित किया। मोना सुस्तानी ने अपने संबोधन में कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और महिलाओं के सम्मान तथा सुरक्षा से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान और अधिकारों से कांग्रेस को कोई सरोकार नहीं है। कांग्रेस ने कई बार इस बिल को रोककर अपनी महिला विरोधी मानसिकता का परिचय दिया है और उन्होंने महिलाओं का अधिकार छीना है।

नगर में जगह-जगह खुले पड़े जानलेवा चैंबर

कई बार हो चुके हादसे, अब सुधार की बात कह रही नगर पालिका

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में कई जगह चैंबर के ढक्कन टूटे हुए है। इनकी हालत ऐसी है कि जरा भी सावधानी चूके तो कभी-भी गंभीर हादसा हो सकता है। लंबे समय से ये परेशानी बनी हुई है। इसके बाद भी इनका सुधार नहीं हो पाया है। हालांकि अब नगर पालिका द्वारा इनके सुधार की बात कही जा रही है। देखना होगा कि कब तक ये परेशानी हल होती है और इसका सुधार हो पाता है।

नगर में मलजल परियोजना के चलते ड्रेनेज सिस्टम के लिए पाइप लाइन डाली गई है। इसमें जगह-जगह पर चौंबर बनाएं गए है। वैसे तो ये चौंबर नगरवासियों की सुविधा के लिए है, लेकिन अब ये चौंबर कई जगह पर लोगों के लिए परेशानी भी बन चुके है। क्योंकि नगर में अलग-अलग क्षेत्रों में चेंबर के ढक्कन टूटे हुए पड़े है। इसमें कई जगह पर तो ये ढक्कन मुख्य मार्गों पर ही टूटे हुए है। ऐसे में यहां से निकलने में सावधानी रखना अत्याधिक आवश्यक है। यहां पर जरा भी सावधानी हटी और चेंबर के टूटे हुए ढक्कन की ओर चले गए तो गंभीर हादसा हो सकता है। कई बार लोग इस परेशानी को बताते है, लेकिन इसमें सुधार नहीं हो पाया है। समस्या हर दिन बढ़ती जा रही है। क्योंकि अंधेरे में यहां पर गंभीर हादसा हो चुका है। गत वर्षाकाल में भी हाट मैदान में ऐसे ही चेंबर के टूटे हुए ढक्कन के कारण गड्ढें में गिरकर बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया था।

इन स्थानों पर बनी हुई परेशानी- नगर में मुख्य रूप से नीमवाड़ी क्षेत्र में नाले के चेंबर के ढक्कन आए दिन टूटते रहते है। अब तो हालत यह है कि जो ढक्कन टूटा हुआ है उसके सरियों को आसमान की ओर मोड़ दिया गया है। ताकि कोई इसमें गिरे नहीं, लेकिन ये खुले हुए सरिए लोगों के लिए मुसीबत बन सकते है। इसी तरह मगरिया क्षेत्र में नाले के चेंबर का ढक्कन ही गायब हो गया है। इसके चलते यहां पर दो ओर से पत्थरों को लगाकर इस पर से आवागमन रोका गया है, लेकिन अंधेरे के समय यहां पर हादसे की संभावना है। टेंशन चौराहा से प्राइवेट बस स्टैंड जाने वाले मार्ग पर भी नाले के उपर चौंबर से सरिये बाहर निकल आए है। ये किसी के लिए भी घातक हो सकते है। खासकर वाहन चालकों को इससे नुकसान उठाना पड़ सकता है। नगरवासियों ने इस समस्या के निराकरण के लिए मांग की है।

इनका कहना है- जहां-जहां चेंबर के ढक्कन टूट चुके है उनका शीघ्र ही सुधार कराया जाएगा। मगरिया में चेंबर का ढक्कन गायब हो गया है। उसे वापस लगाया जाएगा। नीमवाड़ी क्षेत्र में 76 लाख से नए नाले का निर्माण कराया जाएगा। इससे परेशानी दूर हो जाएगी।

- भूपेंद्रकुमार दीक्षित, सीएमओ, नगर पालिका-शाजापुर

राज्य स्तरीय कराते चैम्पियनशिप में छाए नगर के खिलाड़ी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। 25-26 अप्रैल को धार स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया में आयोजित सब जूनियर यूथ, कैडेट, जूनियर एवं सीनियर राज्य स्तरीय कराते चेम्पियनशिप में नगर के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा से सभी का परिचय कराया, जिन्होंने पूरी प्रतियोगिता में 7 गोल्ड मैडल सहित 24 मैडल पर निशाना साधा। जो पूरी प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहे।

ऐम्च्योर कराते एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में नगर की कराते खिलाड़ी एरिका गुप्ता ने एक बार फिर नगर को

गौरवान्वित किया है। जिसने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 16 से 17 वर्ष आयु वर्ग में कुमिते में गोल्ड मैडल हासिल किया। इसके अलावा सार्थक, प्रत्यांश, जियांशी, दिव्यांशी, पलक, केशव ने भी गोल्ड मैडल पर कब्जा जमाया। वहीं हर्षित, रंधिर, वरेण्यम ने सिल्वर मैडल तथा यशस्वी, आलिया, ग्रथि, काव्या, रूही, आयांशी, कौस्तुभ, कृष्णा, आर्वी ने ब्रांज मैडल जीता। मप्र एम्च्योर कराते एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं विश्वामित्र अवार्डी शिहान जयदेव शर्मा व टेक्निकल डायरेक्टर विश्वामित्र अवार्डी पारितोष शर्मा ने बताया कि उक्त राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अलग-अलग जिलों से करीब 200 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। जिसमें नगर के खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा से सभी से आगे निकलकर पूरी प्रतियोगिता में अपना दबदबा बनाए रखा और 7 गोल्ड सहित 24 मैडल जीते। शाजापुर नगर के इन खिलाड़ियों की उपलब्धि पर कराते डेवलपमेंट एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ. शुभम गुप्ता, मुख्य कोच सेंसई माजिद खान, डीएसओ रविंद्र हार्डिया, आशीष नागर, मनीष शर्मा, आशीष आडवाणी, अभय भौंसले, डॉ. सचिन नायक, अनूप किरकिरे, गिरीश सोनी, विनय, ओम उमठ, नवनीत दुबे, मनोहरलाल राय, संजय शिवहरे, आनंद शिवहरे, राकेश महिवाल, अभय बोस, सुशील शर्मा, विजय ठाकुर, दीक्षित सर ने हर्ष व्यक्त कर इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दिनदहाड़े बाईक चुरा ले गए बदमाश, कंपनी कर्मचारियों ने की थाने में शिकायत

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय धोबी चौराहा स्थित एसबीएफसी फाइनेंस लिमिटेड शाखा के सामने बुधवार को दिनदहाड़े एक बाइक चोरी हो गई। चोरी की यह पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। यह पहली घटना नहीं है। बल्कि इसी स्थान से पहले भी बदमाश बाईक चुरा ले गए हैं। इसकी शिकायत कंपनी कर्मचारियों ने थाने पहुंचकर की।

सुबह करीब 11 से 12 बजे के बीच फाइनेंस कंपनी में काम करने वाले सेल्समैन राहुल सोनी निवासी कानड़ की एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल (एमपी-70-एमबी-6520) चोरों ने चुरा ली। सीसीटीवी फुटेज में चोर बाइक ले जाते हुए साफ नजर आ रहे हैं। पीड़ित राहुल सोनी ने कोतवाली थाने पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कंपनी के कर्मचारियों ने थाना प्रभारी को लिखित शिकायत देकर नाराजगी जताई है। उन्होंने बताया कि ठीक इसी जगह से दो महीने पहले एक अन्य कर्मचारी राजेश परमार की बाइक भी चोरी हुई थी, जिसका अब तक सुराग नहीं लगा है। एक ही स्थान पर बार-बार हो रही चोरियों से कर्मचारियों में चिंता और असुरक्षा का माहौल है।

इंसानियत का इम्तिहान, बाबा की विदाई ने लिख दी भाईचारे की नई इबारत

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कुछ लोग दुनिया से इस तरह जाते हैं कि उनका जाना महज एक अंत नहीं, बल्कि एक नई सोच का आगाज़ बन जाता है। भेरु उखलिया पर छोटी सी मेडिकल दुकान चलाने वाले आशीष शर्मा बाबा आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन अपनी विदाई की बेला में वे बदनावर को वह अनमोल विरासत दे गए, जिसे पाने के लिए दुनिया तरसती है– अटूट एकता और निस्वार्थ प्रेम।

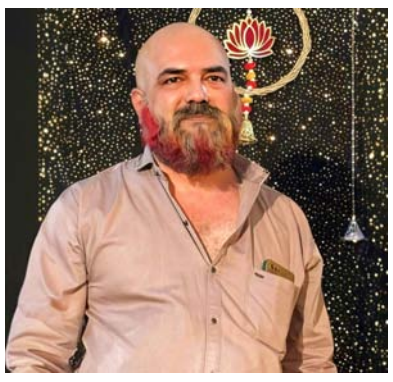

मंगलवार की वह ढलती शाम बदनावर कभी नहीं भूलेगा। जैसे ही खबर फैली कि बाबा को दिल का दौरा पड़ा है, पूरे नगर की सांसें अटक गईं। मेडिकल चलाने वाले बाबा, जो बरसों से लोगों के मर्ज की दवा देते थे, आज खुद जिंदगी की जंग लड़ रहे थे। उस वक्त न तो किसी ने जाति पूछी, न ही किसी ने धर्म का चश्मा पहना। अस्पताल की सीढ़ियों पर दौड़ते हुए युवाओं में जितनी फ़िक्र एक हिंदू भाई के चेहरे पर थी, उतनी ही बेचैनी एक मुस्लिम भाई की आंखों में भी साफ़ झलक रही थी।

इंसानियत का सबसे बड़ा इम्तिहान तब शुरू हुआ जब इलाज के लिए बड़ी धनराशि की आवश्यकता पड़ी। सोशल मीडिया पर एक पुकार हुई और देखते ही देखते मदद का ऐसा सैलाब आया कि मजहब की दीवारें पानी-पानी हो गईं। कुछ ही घंटों में एक बड़ी रकम राशि जमा होना इस बात का प्रमाण है कि बदनावर की जनता का दिल कितना बड़ा है। किसी ने अपनी जेब खर्च बचाकर दी, तो किसी ने अपनी कमाई का हिस्सा बाबा के नाम कर दिया। रात के दो बजे जब दुनिया सो रही थी, तब इंदौर के अरविंदो अस्पताल के बाहर बदनावर के लोग जाग रहे थे। वहां एक तरफ हाथ भगवान के सामने प्रार्थना में जुड़े थे, तो दूसरी तरफ हथेली अल्लाह के सामने दुआ के लिए फैली थी। मंदिर के मंत्र और मस्जिद की दुआएं एक ही मकसद के लिए हवा में गूंज रही थीं–÷बाबा को बचा लो।÷

बाबा बदनावर में अकेले रहकर अपनी दुकान चलाते थे, लेकिन मुसीबत के उन चंद घंटों ने साबित कर दिया कि उनका परिवार उज्जैन में नहीं, बल्कि बदनावर की हर गली में बसता है। भले ही आज बाबा का पार्थिव देह उनके माता-पिता और तीन भाइयों के पास उज्जैन पहुँच गया है, लेकिन उनकी आत्मा को यह सुकून जरूर होगा कि जिस शहर को उन्होंने अपनी कर्मभूमि बनाया, उस शहर ने उन्हें अपने बेटे जैसा सम्मान और विदाई दी।

बाबा जाते-जाते हमें एक बहुत बड़ा सबक दे गए हैं। हम चाहे वैचारिक मतभेदों में उलझते रहें, लेकिन जब बात किसी की जान बचाने की आएगी, तो बदनावर न हिंदू देखेगा न मुसलमान। यहाँ सिर्फ इंसान की जीत होगी। बाबा की यह विदाई हमें हमेशा याद दिलाएगी कि जब तक हम एक-दूसरे के दुख में साथ खड़े हैं, तब तक हमारी एकता को कोई चुनौती नहीं दे सकता।

आज उज्जैन के मुक्तिधाम पर जब बाबा पंचतत्व में विलीन होंगे, तो बदनावर की हर आंख नम होगी और हर दिल यह कहेगा– अलविदा बाबा! शुक्रिया हमें एक करने के लिए।

स्टेडियम निर्माण की मांग तेज, जनप्रतिनिधियों ने मंत्रियों से की मुलाकात व सौंपा पत्र

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लंबे समय से लंबित स्टेडियम निर्माण की मांग अब तेज हो गई है। नगर में खेल सुविधाओं के अभाव को लेकर नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी व भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ सौरभ जैन ने प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग से मुलाकात कर शीघ्र निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग उठाई। इस दौरान मंत्री को एक विस्तृत पत्र भी सौंपा गया, जिसमें युवाओं को हो रही परेशानियों का उल्लेख किया गया। पत्र में बताया गया कि नगर में स्टेडियम निर्माण के लिए लगभग 2.218 हेक्टेयर भूमि पूर्व में ही आवंटित की जा चुकी है। जो शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय एवं महाविद्यालय के समीप स्थित है। लेकिन अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है। इसके चलते क्षेत्र के खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए उचित मैदान नहीं मिल पा रहा है और उनकी प्रतिभा प्रभावित हो रही है। सोनी ने कहा कि खेल सुविधाओं के अभाव में युवा न तो नियमित अभ्यास कर पा रहे हैं और न ही प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तैयारी कर पा रहे हैं। जिससे उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने सरकार से शीघ्र स्टेडियम निर्माण कराए जाने की मांग की है। ताकि क्षेत्र के युवाओं को बेहतर अवसर मिल सकें। इस दौरान नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान एवं मंत्री संपतिया उइके से भी मुलाकात कर नगर के विभिन्न विकास कार्यों को लेकर मांग पत्र सौंपा गया। सोनी ने नगर के समग्र विकास के लिए आवश्यक परियोजनाओं को जल्द स्वीकृति देने का आग्रह किया। मुलाकात के दौरान जिला प्रभारी जयदीप सिंह पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष ओम मालवीय, भाजपा नेता बाबूलाल यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खेतों में सोलर पंप से चमका किसानों का भविष्य

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना के तहत नीमच जिले में किसानों के खेतों पर सोलर पंप स्थापना का कार्य तेजी से किया जा रहा है। योजना के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत जानने हेतु अधिकारियों द्वारा सतत निरीक्षण किया जा रहा है।

स्थल निरीक्षण- अक्षय ऊर्जा विभाग के नीमच जिले के प्रभारी अधिकारी श्री संतोष कुमार ने बताया किसान गोविन्द पाटीदार भड़भड़िया,राजेन्द्र पाटीदार कैलाश चंद्र पाटीदार भड़भड़िया, लक्ष्मी नारायण राम सुख पाटीदार भड़भड़िया, भगतराम बाबूलाल मोड़ी तहसील जावद, मनोहर लाल शर्मा ग पिपलोंन, मदन लाल मथुरालाल पाटीदार पिपलोन, शिवा बाई नानुगीर गोस्वामी पीपलोन, कमला बाई शालिग्राम गांव रेवली देवली के खेत पर स्थापित सोलर पंपों काअधिकारियों द्वारा भौतिक सत्यापन किया गया। मौके पर स्थापित सोलर पैनल संरचना एवं पंप सिस्टम सुचारू रूप से कार्यशील पाया गया है। किसान द्वारा योजना का लाभ लेकर अपने खेत में सोलर पंप के माध्यम से सिंचाई शुरू कर दी गई है।

बदनावर न्यायालय में टाइपिस्टों और स्टाम्प वेंडरों की अघोषित मनमानी

अभिभाषक संघ ने जारी किया अल्टीमेटम

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तहसील न्यायालय परिसर इन दिनों अपनी मूल कार्यप्रणाली के बजाय बाहरी अव्यवस्थाओं और टाइपिस्टों व स्टाम्प वेंडरों की मनमानी को लेकर चर्चा में है। अधिवक्ताओं के कार्यों में जानबूझकर अड़ंगा लगाने और आम जनता से मनमाना शुल्क वसूलने की बढ़ती शिकायतों के बाद अभिभाषक संघ, बदनावर ने कड़ा कदम उठाया है। संघ ने स्पष्ट किया है कि न्यायालय परिसर को लूट और टालमटोल का अड्डा नहीं बनने दिया जाएगा।

न्यायालय परिसर में व्यवस्थाएं उस समय चरमराती नजर आईं जब यह तथ्य सामने आया कि कई टाइपिस्ट बिना किसी वैध %दस्तावेज लेखन लाइसेंस% के अपनी पृथक टेबल लगाकर बैठ रहे हैं। अधिवक्ताओं द्वारा दिए गए आवश्यक कानूनी दस्तावेजों को टाइप करने में घंटों की देरी करना और टालमटोल करना इन टाइपिस्टों की कार्यशैली बन चुकी है। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि इन टाइपिस्टों का व्यवहार न केवल असहयोगात्मक है, बल्कि अक्सर अभद्र भी होता है, जिससे न्यायालयीन गरिमा को ठेस पहुँच रही है। सबसे गंभीर आरोप स्टाम्प वेंडरों पर लगा है। शासन द्वारा निर्धारित दरों को ताक पर रखकर, जरूरतमंदों से तय राशि से अधिक की मांग की जा रही है, जो सीधे तौर पर भ्रष्टाचार और आमजन के शोषण की श्रेणी में आता है। अभिभाषक संघ के संज्ञान में आया है कि इस प्रकार के आचरण से न केवल वकीलों को परेशानी हो रही है, बल्कि दूर-दराज से आने वाले पक्षकारों और आम जनता के हितों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। समय पर दस्तावेज तैयार न होने के कारण अदालती कार्यवाही में अनावश्यक विलंब हो रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अभिभाषक संघ के अध्यक्ष ने रवि मकवाना, अशोक मकवाना (पप्पू), सुनील परमार और अनिल परमार सहित अन्य को औपचारिक नोटिस थमाते हुए तीन कार्य दिवस के भीतर जवाब पेश करने को कहा है। निर्धारित शुल्क से एक रुपया भी अधिक लेना तत्काल बंद करें। अधिवक्ताओं के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से पूरा करें। यदि व्यवहार में सुधार नहीं हुआ और स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया, तो संबंधितों के विरुद्ध कठोर वैधानिक और प्रशासनिक मोर्चा खोला जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी जिला न्यायाधीश महोदय को भी भेज दी गई है, ताकि प्रशासन स्तर पर भी इन अव्यवस्थाओं पर नकेल कसी जा सके।

कलेक्टर की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री संपत उपाध्याय, स्मार्ट सिटी सीईओ, एडीशनल एसपी ट्राफिक, सीईओ जेडीए, परिवहन, नगर निगम तथा लोक निर्माण विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विगत महीनों में हुई सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा की गई और उनके प्रमुख कारणों जैसे तेज गति, नशे में वाहन चलाना, हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग न करना तथा सड़क संकेतों की अनदेखी को चिन्हित किया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान कर वहां आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाएं। यातायात पुलिस को विशेष अभियान चलाकर हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग को अनिवार्य कराने, ओवरलोडिंग एवं नशे में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्कूली बच्चों एवं आम नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया। लोक निर्माण विभाग को सड़क संकेतक, स्पीड ब्रेकर, स्ट्रीट लाइट एवं रोड मार्किंग को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए।

नरक बनता वार्ड क्रमांक पांच, कचरे के ढेर और जहरीले धुएं से जनता बेहाल

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव के नेतृत्व में जहाँ एक ओर बदनावर को विकास की कई नई सौगातें मिल रही हैं और शहर को आधुनिक बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर परिषद के लापरवाह कर्मचारियों की कार्यप्रणाली उनके नाम और छवि को धूमिल करने में तुली है। वार्ड नंबर पांच के नागरिक आज कचरे के ढेर और जहरीले धुएं के कारण नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं, जो परिषद के जमीनी प्रबंधन पर बड़े सवालिया निशान खड़े करता है।

नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव लगातार नगर विकास के लिए सक्रिय हैं और जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही हैं। किंतु, वार्ड नंबर पांच की पुलिया पर नगर भर का कचरा डंप करना और फिर उसमें आग लगा देना, परिषद के स्वच्छता विभाग के कर्मचारियों की घोर लापरवाही को दर्शाता है। कचरा जलने से निकलने वाला धुआं गले में जलन और फेफड़ों की समस्या पैदा कर रहा है।

शिकायतों पर सुनवाई न होने से तंग आकर अब वार्डवासियों ने डिजिटल क्रांति का सहारा लिया है। नागरिक अब अपनी व्यथा को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। वार्डवासियों का स्पष्ट कहना है कि वे इस समस्या को तब तक वायरल करेंगे जब तक यह बात मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों तक नहीं पहुँच जाती। सोशल मीडिया पर चल रहे इस विरोध में लोग साफ़ कह रहे हैं कि अध्यक्ष तो सौगातें दे रही हैं, लेकिन कर्मचारी बदनावर को बीमार बना रहे हैं।

वार्ड नंबर पांच के निवासियों ने अध्यक्ष महोदया से अपील की है कि वे स्वयं इस मामले का संज्ञान लें और उन दोषी कर्मचारियों व अधिकारियों पर कार्यवाही करें जो उनकी साख को बट्टा लगा रहे हैं। यदि समय रहते कचरा प्रबंधन की इस विफलता को नहीं सुधारा गया, तो यह जहरीला धुआं किसी बड़ी जनहानि का कारण बन सकता है। वार्डवासियों की अपील है पुलिया से तत्काल कचरा हटाया जाए और डंपिंग के लिए स्थायी व सुरक्षित स्थान तय हो। कचरे में आग लगाने की घटनाओं पर रोक लगे और दोषियों पर दंड आरोपित हो।

समाजसेवी सकलेचा ने डीआरएम अश्विनीकुमार से भेंट कर मांगो को लेकर की चर्चा

डीआरएम ने शीघ्र समाधान करने का दिया आश्वासन

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नागदा-मालवा क्षेत्र के रेल यात्रियों की सुविधाओं को लेकर समाजसेवी राजेश सकलेचा ने बुधवार को रतलाम में अश्विनी कुमार (डीआरएम) से मुलाकात कर विभिन्न मांगों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान डीआरएम ने सभी मुद्दों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। डीआरएम से भेंट के दौरान राजेश सकलेचा के साथ दीपक जैन भी उपस्थित रहे।

सकलेचा व जैन ने बताया कि वे सुबह करीब 11.30 बजे डीआरएम कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने रेल यात्रियों की समस्याओं एवं सुविधाओं के विस्तार से संबंधित ज्ञापन सौंपा। चर्चा के दौरान मालवा क्षेत्र में रेल सेवाओं के विस्तार और नागदा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने की प्रमुख मांग रखी गई।

सकलेचा व जैन ने बताया कि रेलवे स्टेशन से लेकर दीनदयाल चौक तक लगने वाले जाम की समस्या, बिरलाग्राम क्षेत्र में दिव्यांगजनों के लिए प्लेटफॉर्म तक पहुंच की सुविधा, पत्रकारों को प्लेटफॉर्म परिसर में प्रवेश की अनुमति तथा रेलवे परिसर में दानदाताओं के सहयोग से वाटर कूलर लगाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही ट्रेनों के विस्तार को लेकर भी डीआरएम को पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया। जिस पर डीआरएम द्वारा सकारात्मक चर्चा कर समाधान भी दिये । सकलेचा व जैन ने बताया कि डीआरएम अश्विनी कुमार ने सभी बिंदुओं पर गंभीरता से चर्चा करते हुए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और जल्द समाधान का भरोसा दिलाया।

भुवानीखेड़ा प्रीमियर लीग का रोमांचक समापन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को निखारने और युवाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से समीपस्थ ग्राम भुवानीखेड़ा में आयोजित भुवानीखेड़ा प्रीमियर लीग का भव्य समापन हुआ। भवानी क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में आयोजित इस रात्रिकालीन टूर्नामेंट ने आईपीएल की चमक और रोमांच को गांव के मैदान पर उतार दिया।

23 अप्रैल से शुरू हुए इस टूर्नामेंट में कुल 6 टीमों–भैरव किंग्स, भवानी लायंस, सरपंच ऑफ भुवानीखेड़ा, बीके थंडर राइडर्स, स्टार क्लब भुवानीखेड़ा और भवानी योद्धास ने अपना दम दिखाया। गवर्नमेंट स्कूल ग्राउंड पर दूधिया रोशनी में खेले गए फाइनल मुकाबले में बीके थंडर राइडर्स ने शानदार खेल दिखाते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, भवानी योद्धास उपविजेता रही और भवानी लायंस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

टूर्नामेंट के समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों और खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार विजेता टीम को शरदसिंह सिसोदिया की ओर से 31,000 की नकद राशि प्रदान की गई। द्वितीय पुरस्कार उपविजेता टीम को पूर्व सरपंच शिवालाल भाभर द्वारा 11,000 की राशि से पुरस्कृत किया गया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान विवेक पाटीदार द्वारा प्रत्येक मैच में मैन ऑफ द मैच की शील्ड प्रदान कर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया गया। इसके साथ ही मैन ऑफ द सीरीज, बेस्ट बल्लेबाज, बॉलर और फील्डर के पुरस्कार भी बांटे गए।

फाइनल मुकाबले के दौरान विशेष अतिथि के रूप में विवेक पाटीदार, कन्हैयालाल गुर्जर, डॉ. अंशुमान जोशी, लोकपाल सर, सुदीप जैन, भेरूलाल पटेल, शिवालाल भाभर, राधेश्याम पटेल, महेश रतन सेठ, और महेश सिर्वी सहित कई गणमान्य जन उपस्थित थे। अतिथियों ने ग्रामीण स्तर पर खेल के इस शानदार आयोजन की सराहना की।

संपूर्ण टूर्नामेंट के दौरान गांव में उत्सव जैसा माहौल बना रहा और बड़ी संख्या में दर्शकों ने मैच का लुत्फ उठाया। आयोजन की विस्तृत जानकारी सिर्वी समाज युवा प्रदेश सचिव विशाल सिर्वी द्वारा दी गई। इस आयोजन ने सिद्ध कर दिया कि यदि सही मंच मिले तो ग्रामीण अंचलों के युवा भी किसी पेशेवर खिलाड़ी से कम नहीं हैं।

आज मनासा में होगा रोमांचक नृसिंह लीला मंचन, हजारों भक्त होंगे शामिल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मनासा में प्रसिद्ध नगर नायक बडी विशाल मंदिर पर आज 30 अप्रैल, गुरुवार को नृसिंह चतुर्दशी के अवसर पर भव्य और रोमांचक नृसिंह लीला का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन को देखने और भगवान के दर्शन के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के मंदिर परिसर में जुटने की संभावना है। मंदिर पुजारी पंडित जुगनू जी ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष नृसिंह चतुर्दशी पर इस लीला का आयोजन पारंपरिक रूप से किया जाता है। विशेष रूप से नृसिंह जयंती की संध्या पर, जब दिन और रात का संधिकाल होता है, उस समय इस लीला का मंचन किया जाता है। लीला के दौरान भगवान नृसिंह का पात्र निभाने वाले कलाकार की मंत्रोच्चार के साथ पूजा की जाती है और उन्हें खंभ (कोठी) में स्थापित किया जाता है। वहीं, हिरण्यकश्यप का पात्र निभाने वाला कलाकार मंदिर की सीढ़ियों पर कई बार दौड़ लगाता है। निर्धारित समय पर खंभ से भगवान नृसिंह प्रकट होते हैं और हिरण्यकश्यप का वध करते हैं। इस अद्भुत दृश्य के बाद भगवान नृसिंह की आरती की जाती है और भक्तों को दर्शन दिए जाते हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी यह आयोजन श्रद्धा, आस्था और रोमांच का अनूठा संगम बनेगा।

जगद्गुरु अवधेशाचार्य जी महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे सांसद अनिल फिरोजिया

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आलोट नगर के समीप मीठनगढ दरबार में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन कृष्ण जन्मोत्सव को बड़े धूमधाम से मनाया गया दिनांक 25 अप्रैल से एक मई तक होने वाली श्रीमद् भागवत कथा का वाचन कर रहे अयोध्या से पधारे जगतगुरु 1008 श्री श्री अवधेश आचार्य जी महाराज के द्वारा प्रतिदिन 1ः00 बजे से 4ः00 बजे तक कथा का रसपान कराया जा रहा है कथा के दौरान पंच कुंडी यज्ञ भी चल रहा है एवं शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर हो रहे आयोजन पर आश्रम के संत श्री कैलाश जी अनाड़ी द्वारा आने वाले भक्तों के लिए प्रतिदिन भोजन की व्यवस्था की गई एवं सभी के जन सहयोग से विशाल पंडाल बनाकर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन करवाया जा रहा है शिप्रा तट पर विराजित एमपी और राजस्थान की सीमा पर मिठन गढ़ दरबार पर यह भागवत कथा चल रही है 1 मई को महा आरती एवं महा पूर्णाहुति होगी जिसमें लगभग 15000 लोग श्रद्धालु आने की संभावना है कड़कड़ाती की गर्मी भी भक्तों का भगवान के प्रति प्रेम नहीं रोक पाए बड़ी संख्या में श्रद्धालु जान पहुंचकर कथा का लाभ ले रहे हैं इस अवसर पर उज्जैन आलोट सांसद अनिल फिरोजिया ने भी पहुंचकर संत श्री का आशीर्वाद लिया।

ग्राम इमली खेड़ा में देवनारायण पांच कुंडली महायज्ञ की पूर्णाहुति श्रद्धालुओं का उमडा सेलाब

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया ग्राम इमलीखेड़ा में आयोजित सात दिवसीय पंचकुंडी महायज्ञ एवं देवनारायण भगवान परिवार की प्राण-प्रतिष्ठा का भव्य धार्मिक आयोजन बुधवार को विधिवत पूर्णाहुति के साथ संपन्न हो गया। इस ऐतिहासिक आयोजन ने यज्ञ केवल पूरे गांव बल्कि आसपास के अंचल में भी गहरी आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया। समापन दिवस पर श्रद्धालुओं का ऐसा जनसैलाब उमड़ा कि पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूब गया।

23 अप्रैल से प्रारंभ हुए इस महायज्ञ में प्रतिदिन प्रातःकाल से लेकर रात्रि तक वेद मंत्रों की गूंज, हवन, पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला लगातार चलता रहा। रात्रि कालिंग भगवान देवनारायण की कथा आयोजन किया गया था प्रतिदिन हजारों की संख्या भगवान देवनारायण की कथा सुनने के लिए दूर-

दूर से श्रद्धालु आते थे और यज्ञ स्थल को भव्य रूप से सजाया गया था, जहां दूर-दराज से आए श्रद्धालु लगातार दर्शन और पूजन के लिए पहुंचते रहे। अंतिम दिन दोपहर 1बजे वैदिक विधि-विधान के साथ पूर्णाहुति दी गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कर धर्म लाभ प्राप्त किया।

इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसादी ग्रहण की। भंडारे में अनुशासन और सेवा भाव का अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जहां ग्रामीण युवाओं और देव धाम देव कृपा समिति ,महिलाओं ने बढ़-चढ़कर व्यवस्था संभाली। श्रद्धालुओं ने यज्ञ की परिक्रमा कर देवनारायण भगवान के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की।

महायज्ञ के दौरान सजे भव्य देवधाम दरबार में कालाजी महाराज, देवनारायण,भीलट महाराज, भेषासुर महाराज एवं माता साडू सहित अनेक देवी-देवताओं की विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। इस दौरान पूरा वातावरण श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा।

आचार्य पंडित अनिल शर्मा और ओम प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में उनकी विद्वान मंडली ने पूरे आयोजन को शास्त्रोक्त विधि से संपन्न कराया। लाखों मंत्रों की गूंज और यज्ञ की पवित्र अग्नि ने वातावरण को दिव्यता से भर दिया। रात्रि में आयोजित देवनारायण भगवान की कथा ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कथा के दौरान भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां सभी ने एकाग्र होकर कथा श्रवण किया।

इस आयोजन की सबसे विशेष बात ग्रामवासियों की एकजुटता और भगवान देवनारायण को समर्पण रही। देव धाम देव कृपा समिति,महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने मिलकर आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आसपास के गांवों से आए अतिथियों ने भी कार्यक्रम की सराहना की और इसे क्षेत्र की धार्मिक एकता का प्रतीक बताया।

पूरे आयोजन ने सामाजिक समरसता, आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं को नई मजबूती दी। ग्राम इमलीखेड़ा का यह महायज्ञ न केवल एक धार्मिक अनुष्ठान रहा, बल्कि यह क्षेत्रीय एकता, सहयोग और भक्ति का प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरा।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में जिलों की समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, सुशासन, कानून-व्यवस्था तथा गेहूं उपार्जन सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में गेहूं उपार्जन के संबंध में स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 9 मई 2026 से बढ़ाकर 23 मई 2026 किए जाने की जानकारी दी गई। साथ ही प्रत्येक उपार्जन केंद्र पर न्यूनतम 6 तौल कांटे उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। शिक्षा एवं महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान नामांकन में वृद्धि एवं ड्रॉप आउट में कमी लाने के निर्देश दिए गए। आंगनवाड़ी केंद्रों में 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का अधिकाधिक नामांकन सुनिश्चित करने तथा आंगनवाड़ी केंद्रों के समीप संचालित कक्षा पहली की शासकीय शालाओं के को-लोकेशन का सत्यापन करने के निर्देश दिए गए।

रात्रि चौपाल, संवाद से समाधान, योजनाओं का हर घर तक विस्तार

कलेक्टर की ग्राम मोड़ी में रात्रि चैपाल, जनसंवाद के साथ त्वरित समाधान एवं योजनाओं की विस्तृत जानकारी

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनपद सुसनेर के ग्राम मोड़ी स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय परिसर में मंगलवार सायं रात्रि कालीन ग्रामचौपाल का आयोजन किया गया।चौपाल में श्रीमती प्रीति यादव के नेतृत्व में जिला प्रशासन की टीम ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। रात्रिचौपाल में पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अपर कलेक्टर आर.पी. वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बी.एस. सोलंकी, एसडीएम सुसनेर श्रीमती किरण बरबड़े, डिप्टी कलेक्टर सर्वेश यादव, कमल मंडलोई, सीईओ जनपद सुसनेर जितेंद्र सिंह धाकरे सहित समस्त विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

चौपाल में जिले के विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जहां ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही पात्र हितग्राहियों को ऑन-द-स्पॉट लाभ वितरित किए गए। पुलिस विभाग द्वारा यातायात नियमों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें राह वीर योजना, हिट एंड रन प्रावधानों की जानकारी दी गई तथा हेलमेट वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर द्वारा सांवरिया समूह को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया तथा जय नारायण गिरिराज को सिंचाई यंत्र वितरित किया गया। साथ ही लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा राजस्व विभाग द्वारा स्वामित्व पत्र वितरित किए गए। ग्रामचौपाल में एक ग्रामीण द्वारा विद्युत समस्या रखे जाने पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिए, जिस पर मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया गया।

कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत वॉश ऑन व्हील सेवा की जानकारी भी दी गई। इस सेवा के माध्यम से संस्थागत शौचालयों की मशीनीकृत सफाई, जल जीवन मिशन के अंतर्गत ओवरहेड टैंकों की सफाई, स्कूल एवं आंगनवाड़ी केंद्रों की जल टंकियों की सफाई एवं घरेलू स्तर पर नल-टोटी मरम्मत जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव ने रात्रि चौपाल को सम्बोधित करते हुए कहा कि रात्रिचौपाल का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके कार्यों से निवृत्त होने के बाद सहज वातावरण में संवाद का अवसर देना है। उन्होंने बताया कि यह एक पुरानी परंपरा है, जिसे पुनः प्रभावी रूप से प्रारंभ किया गया है, ताकि ग्रामीण अपनी समस्याएं सरलता से प्रशासन तक पहुंचा सकें। आज से ग्राम मोड़ी से चौपाल की शुरुआत की गई है और आगामी समय में विभिन्न ग्रामों में भी ऐसे आयोजन किए जाएंगे। कलेक्टर ने ग्रामीणों से योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने, समस्याओं को प्रस्तुत करने तथा प्रशासन के साथ सहयोग करने का आग्रह किया।

कलेक्टर ने शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अब कई सेवाएं ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध हो रही हैं, जैसे आधार पंजीयन आदि, जिससे नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। यातायात सुरक्षा पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि हेलमेट का उपयोग अनिवार्य रूप से करें, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें तथा सुरक्षित ड्राइविंग को अपनाएं।

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह ने अपने संबोधन में सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायतों के निराकरण की जानकारी दी तथा नए कानूनों के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता बताई। उन्होंने नशा मुक्ति के लिए चलाए जा रहे अभियानों की जानकारी देते हुए समाज से सहयोग की अपील की।

अपर कलेक्टर वर्मा सहित अन्य अधिकारियों ने भी ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी। कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि चौपाल में प्राप्त शिकायतों का मौके पर ही अधिकतम निराकरण सुनिश्चित करें तथा शेष प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण किया जाए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, ग्राम पंचायतों के कर्मचारी, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आजीविका मिशन की बैंक सखियां, पत्रकारगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने सुसनेर वेयरहाउस का किया औचक निरीक्षण

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव ने मंगलवार को देर रात्रि सुसनेर स्थित वेयरहाउस का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूं की तुलाई उपरांत रखे गए स्टॉक, भंडारण व्यवस्था, परिवहन कार्य एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने वेयरहाउस में रखे गेहूं के स्टॉक की स्थिति का अवलोकन करते हुए अधिकारियों से भंडारण क्षमता, परिवहन की प्रगति तथा सुरक्षा इंतजामों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि उपार्जित गेहूं का सुरक्षित एवं व्यवस्थित भंडारण सुनिश्चित किया जाए तथा परिवहन कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वेयरहाउस परिसर में रिकॉर्ड संधारण एवं निगरानी व्यवस्था का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह, सीईओ जिला पंचायत बीएस सोलंकी, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दीनदयाल उपाध्याय चौक का होगा कायाकल्प, फव्वारा व प्रतिमा से बढ़ेगी आकर्षण

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद सुसनेर द्वारा शहर में विकास कार्यों को लगातार गति दी जा रही है। इसी कड़ी में पुराना बस स्टैंड स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक का व्यापक सौंदर्यीकरण किए जाने की योजना तैयार की गई है। लंबे समय से उपेक्षित इस प्रमुख चौराहे को अब आधुनिक स्वरूप देने की पहल नगर परिषद द्वारा की जा रही है। जिससे क्षेत्र की पहचान और भी सुदृढ़ होगी। नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि चौक पर आकर्षक फव्वारा स्थापित किया जाएगा, जो क्षेत्र की सुंदरता में चार चांद लगाएगा। इसके साथ ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी। जिससे यह स्थल न केवल सौंदर्य का केंद्र बनेगा, बल्कि एक प्रेरणादायक स्थान के रूप में भी विकसित होगा। उन्होंने बताया कि बाजार क्षेत्र में आने वाले लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए चौक पर बैठने के लिए कुर्सियां लगाई जाएंगी ताकि राहगीर व खरीदार कुछ समय विश्राम कर सकें। इसके अलावा चौक के आसपास हरियाली बढ़ाने के लिए पौधारोपण किया जाएगा। जिससे वातावरण भी स्वच्छ और सुहावना बनेगा। नगर परिषद का मानना है कि इस सौंदर्यीकरण कार्य से पुराना बस स्टैंड क्षेत्र का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा और यह स्थान नगर का आकर्षक केंद्र बनकर उभरेगा। स्थानीय नागरिकों व व्यापारियों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि इससे बाजार क्षेत्र में रौनक बढ़ेगी और शहर के विकास को नई दिशा मिलेगी।

नगर प्रवेश पर भव्य चल समारोह, 8 मई को होगी प्रतिष्ठा

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। त्रिस्तुतिक जैन समाज द्वारा श्री आदिनाथ जिन मंदिर की प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। यह प्रतिष्ठा 8 मई को आचार्य श्री नित्यसेन सूरीजी महाराज आदि की निश्रा में संपन्न होगी, जबकि 5 मई को साधु भगवंतों का मंगल प्रवेश होगा।

मंगलवार शाम भगवान महावीर स्वामी एवं पुण्य सम्राट जयंतसेन सूरीजी महाराज की प्रतिमाओं का जय शेखर धाम दादावाड़ी में नगर प्रवेश हुआ। श्री संघ द्वारा अक्षत से स्वागत किया गया। इसके पश्चात नागदा के आयुष जैन ने भक्ति संध्या में मधुर भक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रावक-श्राविकाएं भक्ति रस में झूम उठे।

बुधवार को प्रतिमाओं की भव्य शोभायात्रा बैंड-बाजों के साथ निकालकर श्री आदिनाथ जिन मंदिर पहुंचाई गई। यात्रा के दौरान समाजजनों ने प्रतिमाओं की गहुली की, वहीं महिलाएं कलश लेकर जलधारा करते हुए चल रही थीं। पुखराजमल सकलेचा परिवार द्वारा

संघ पूजा संपन्न कराई गई। नूतन जिनालय में नवीन एवं अन्य प्रतिमाओं को विधि-विधान से विराजित किया गया। विधिकारक त्रिलोक भाई काकरिया (पारा) ने मंत्रोच्चार किए, जबकि साध्वी श्री चारित्रकला जी मसा आदि साध्वी मंडल ने निश्रा प्रदान कर वाक्षेप किया।

मंदिर निर्माण के लाभार्थी पारा निवासी वालिबाई छाजेड़ परिवार सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्री संघ द्वारा नवकारसी का आयोजन भी किया गया।

इस अवसर पर पांच दिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव की प्रकाशित पत्रिका का मुहूर्त भी संपन्न हुआ। मंदिर निर्माण से जुड़े लाभार्थी अशोक, प्रकाश, मनोहर छाजेड़, श्री संघ अध्यक्ष महेश सकलेचा, दादावाड़ी अध्यक्ष मानमल सकलेचा, प्रदीप मेहता, सुशील सकलेचा, राजेश बाफना, पुखराज चत्तर, कनकमल सकलेचा, राजकुमार मूणत, राकेश चत्तर, प्रकाश सकलेचा, सुरेश चत्तर, महावीर सकलेचा, विशाल चत्तर, कालू सकलेचा, महेंद्र ओरा, प्रवीण सिसोदिया, विवेक सकलेचा, आयुष सकलेचा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

श्री आदिनाथ भगवान सहित समस्त देवी-देवताओं को पत्रिका अर्पित कर महोत्सव में पधारने का आमंत्रण दिया गया।

स्कूल कॉलेजों में जूनियर रेडक्रॉस और यूथ रेडक्रॉस विंग को सक्रिय करें

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। रेडक्रॉस सोसायटी की बैठक कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार शाम को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में निर्देश दिए कि स्कूल कॉलेजों में जूनियर रेडक्रॉस और यूथ रेडक्रॉस विंग को सक्रिय किया जाए तथा इसके माध्यम से युवाओं को रक्तदान, जल संग्रहण, पर्यावरण संरक्षण, यातायात जागरूकता जैसी गतिविधियों से जोड़ा जाए। बैठक में सहायक कलेक्टर सुश्री शिल्पा चौहान, डिप्टी कलेक्टर सुश्री दीक्षा भगोरे, जिला शिक्षा अधिकारी श्री पी एस सोलंकी के अलावा शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य और कार्यकारिणी सदस्य भी मौजूद थे। बैठक में तय किया गया कि रेडक्रॉस के संस्थापक श्री हेनरी ड्यूनैन्ट के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर एवं जनसेवा के अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। बैठक में बताया गया कि आगामी 2 से 8 मई तक ÷रेडक्रॉस सप्ताह÷ का आयोजन किया जाएगा । रेडक्रॉस सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें आगामी 4 मई को स्कूल एवं कॉलेजों के प्राचार्य की बैठक आयोजित होगी, 5 मई को निक्षय मित्रों को फूड बॉस्केट वितरित किए जाएंगे, 6 मई को महिलाओं का जागरूकता शिविर आयोजित होगा, 7 मई को सीपीआर की ट्रेनिंग पुलिस कर्मियों को दी जाएगी, तथा 8 मई को समापन कार्यक्रम आयोजित होगा जिसमें सप्ताह के दौरान सराहनीय गतिविधि करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

जिला अस्पताल को इस वर्ष में राष्ट्रीय गुणवत्ता मूल्यांकन प्रमाण पत्र दिलाने के लिए आवश्यक प्रयास करें

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने मंगलवार को मेडिकल कॉलेज सह जिला चिकित्सालय के ए ब्लॉक स्थित सभाकक्ष में चिकित्सको, नर्सिंग ऑफिसर व स्टॉफ की बैठक लेकर निर्देश दिए कि इस वित्तीय वर्ष में जिला अस्पताल को राष्ट्रीय गुणवत्ता मूल्यांकन संबंधी प्रमाण पत्र दिलाने के लिए सामूहिक प्रयास करें। उन्होंने इसके लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों से एक-एक कर चर्चा की। बैठक में मेडिकल कॉलेज के डीन डॉक्टर संजय दादू, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ओपी जुगतावत, सिविल सर्जन डॉ अनिरुद्ध कौशल, मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ रंजीत बड़ोले, डॉ.सुनील बाजोलिया, डॉ. रश्मि

कौशल जिला क्षय अधिकारी डॉ. शक्ति सिंह राठौड़ व अन्य अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित थे।

बैठक में आगामी माह में राष्ट्रीय गुणवत्ता मूल्यांकन प्रणाली के तहत जिला अस्पताल के असेसमेंट के संबंध में विभागवार समीक्षा कर संबंधित को जवाबदारी दी गई। कलेक्टर श्री गुप्ता ने 30 मई तक इस संबंध में संभी तैयारिया करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने सिविल सर्जन से कहा कि असेसमेंट में कोई भी समस्या आए तो उसे तुरंत निराकृत किया जाए। उन्होंने कहा कि टीम वर्क के माध्यम से जिला अस्पताल आने वाले मरीजों को राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक अनुसार सेवायें उपलब्ध कराई जाएं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने मेडिकल कॉलेज के डीन व सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि मरीजों को रेफर न किया जाए, बल्कि खंडवा के जिला अस्पताल सह मेडिकल कॉलेज में ही हर संभव सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

सड़क दुर्घटना में घायलों की जान बचाने वाले राह-वीर श्री विकास पटेल को मिलेगा 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को गोल्डन ऑवर (दुर्घटना के तुरंत बाद का महत्वपूर्ण समय) में अस्पताल पहुँचाकर उनकी जान बचाने वाले सजग नागरिकों को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार की राह-वीर योजना-2025 के तहत राहवीर को प्रोत्साहन स्वरूप अवार्ड एवं प्रशस्ति पत्र दिए जाने का प्रावधान है। इसी कड़ी में, परिवहन आयुक्त कार्यालय मध्यप्रदेश द्वारा बड़वानी के राह-वीर ग्राम फत्यापुर निवासी श्री विकास पिता राकेश पटेल को 25,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। क्या थी घटना? 08 नवंबर 2025 को ग्राम

मण्डवाड़ा में एक सड़क दुर्घटना हुई थी, जिसमें ग्राम साकड़ निवासी श्री विक्रम पिता भुवानसिंह डावर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मौके से गुजर रहे श्री विकास पिता राकेश पटेल ने अपने निजी वाहन से घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर में सिविल अस्पताल अंजड़ा में उपचार हेतु पहुंचाया। उनकी इस समयबद्ध मदद के कारण घायल व्यक्ति को समय पर ईलाज मिला एवं उसके कारण उसकी जान बच गई। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी बड़वानी श्रीमती जयति सिंह के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय अप्रेजल कमेटी द्वारा श्री विकास पटेल के नाम का प्रस्ताव राज्य सड़क सुरक्षा समिति (लीड एजेंसी) को भेजा गया था।

इसरो के युविका विज्ञानी कार्यक्रम में चयनित छात्रा का कलेक्टर ने किया सम्मान

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय थांदला की कक्षा 10वीं की छात्रा कु. आयुषी दातला, पिता श्री रविंद्र दातला का भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित युविका विज्ञानी कार्यक्रम में चयन होने पर कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम देश के मेधावी विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान, अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रारंभिक स्तर पर प्रोत्साहित एवं प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। छात्रा का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के आधार पर हुआ है, जो झाबुआ जिले के लिए गौरव एवं उपलब्धि का विषय है। कलेक्टर डॉ. भरसट ने छात्रा को शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा कहा कि जिले की प्रतिभाएं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं, जो अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है। विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों ने भी छात्रा की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री पी.सी. कानव ने जानकारी देते हुए बताया कि छात्रा 12 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा जाएगी, जहां उसे अंतरिक्ष विज्ञान एवं विभिन्न आधुनिक तकनीकों से संबंधित व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी।

युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले के युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से युवा संगम (रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिशिप मेला) का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 05 मई 2026 को प्रातः 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, खरगोन में सम्पन्न होगा। युवा संगम में विभिन्न निजी कम्पनियों द्वारा प्रत्यक्ष भर्ती प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही शासकीय विभागों एवं ऋण प्रदाता संस्थाओं द्वारा स्वरोजगार से संबंधित योजनाओं, ऋण सुविधाओं एवं मार्गदर्शन की जानकारी युवाओं को प्रदान की जाएगी, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यालय प्रभारी श्री राजपाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस युवा संगम में 8वीं से स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा एवं आईटीआई उत्तीर्ण 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवक भाग ले सकते हैं।

मानकों की समझ के साथ बायोगैस पर ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय स्नातकोत्तर (अग्रणी) महाविद्यालय, खरगोन में मानक क्लब के अंतर्गत बायोगैस (बायोमीथेन) प्लांट विषय पर ज्ञानवर्धक एवं तकनीकी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय मानकों, गुणवत्ता एवं सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उनकी तकनीकी समझ को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. डीएस बामनिया ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में गुणवत्ता आधारित सोच विकसित करते हैं और उन्हें

जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। वहीं माइक्रो बायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. केएस बघेल ने भारतीय मानक ब्यूरो के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में मानकीकरण आधारित तकनीकी ज्ञान अत्यंत आवश्यक है, विशेषकर बायोगैस जैसी स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों के लिए।

इस अवसर पर आयोजित तकनीकी क्विज प्रतियोगिता में बायोगैस की संरचना, प्लांट के घटक, फीडस्टॉक, तापमान तथा ऑर्गेनिक लोडिंग रेट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रश्न पूछे गए। बहुविकल्पीय प्रश्न, रैपिड फायर एवं विश्लेषणात्मक राउंड के माध्यम से प्रतिभागियों की तकनीकी दक्षता का मूल्यांकन किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का समापन मानक क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश चौधरी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. ऐश्वर्या दिलावरे ने किया। इस अवसर पर प्रो. राजेन्द्र सिंह चौहान, प्रो. सुनैना चौहान, प्रो. ललित कुमार भटानिया, प्रो. संतोष कुमार राठौड़, प्रो. अमिका बिरले सहित मानक क्लब के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)

क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 29/04/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक यशवंत सिंह पिता तके सिंह सोनगरा द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 24/04/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 135 तिरूपति कासा ग्रीन फेस 1 कालोनी पंवासा उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 1012/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक यशवंत सिंह पिता तके सिंह सोनगरा के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)

क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 29/04/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गोविन्द सिंह पिता बापू सिंह द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 24/04/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 41 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 94 सर्वे 400/1/4 का भाग नीमनवासा उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी पूजा पिता दुर्गा प्रसाद पति समस्थमल पाटीदार आर्य आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 1026/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक गोविन्द सिंह पिता बापू सिंह के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)

क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 29/04/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कविता पति शैलेन्द्र कुशवाह द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 24/04/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 41 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 02 ब्लाक नं 4 मणी नगर कालोनी नीमनवासा उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी स्काई हाईटस डेव्हलपर्स श्रीमती जसमीत कोर मल्होत्रा पुत्री श्री नरेन्द्रसिंह खनूजा गुरुसिख एग्रो एण्ड स्टेटस एलएलपी रसमीतसिंह मल्होत्रा पिता सरदार सिंह अजीतसिंह मल्होत्रा निवासी - वार्ड 13 नेहरू वार्ड पिपरिया (म.प्र.) आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 1015/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक कविता पति शैलेन्द्र कुशवाह के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

एक मई से शुरू होगी मकानों की गणना, ऑनलाइन सिस्टम से होगी पूरी प्रक्रिया

फरवरी 2027 में होगी आबादी की गिनती 7 मोबाइल ऐप से डेटा एंट्री, कर्मचारियों पर बढ़ेगा काम का दबाव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देशव्यापी जनगणना के पहले चरण की तैयारियां अब ज़मीनी स्तर पर तेज हो गई हैं। उज्जैन में एक मई से कर्मचारियों द्वारा मकानों की गणना का कार्य शुरू किया जाएगा। इससे पहले आमजन के लिए स्वयं गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिसका लोगों द्वारा लगातार उपयोग किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 15 अप्रैल से शुरू हुई स्वयं गणना प्रक्रिया में अब तक साढ़े सात हजार से अधिक लोग अपनी जानकारी दर्ज करा चुके हैं। यह सुविधा 30 अप्रैल तक जारी रहेगी, जिससे नागरिक बिना किसी कर्मचारी के हस्तक्षेप के अपनी जानकारी ऑनलाइन भर सकें।

मोबाइल ऐप से होगा पूरा काम, ऑफलाइन भी रहेगी सुविधा- इस बार जनगणना प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल बनाने पर जोर दिया गया

है। कर्मचारियों को मोबाइल ऐप के जरिए मकानों और परिवारों का डेटा दर्ज करना होगा। खास बात यह है कि ऐप ऑफलाइन मोड में भी काम करेगा और इंटरनेट उपलब्ध होते ही डेटा सर्वर पर अपलोड हो जाएगा। इससे न केवल प्रक्रिया तेज होगी, बल्कि आंकड़ों की सटीकता भी बढ़ेगी।

कर्मचारियों के लिए यह अनिवार्य किया गया है कि उनके मोबाइल का ऑपरेटिंग सिस्टम एंड्रॉइड 12 या उससे ऊपर, अथवा आईओएस 15 या उससे ऊपर का हो। साथ ही मोबाइल में पर्याप्त स्टोरेज (कम से कम 8 जीबी खाली) होना जरूरी है। ऐप के साथ पीडीएफ व्यूअर, मैप और दस्तावेज देखने की सुविधा भी जरूरी होगी।

प्रगणकों को मिलेगी आईडी, सीधे होगा सत्यापन- एक मई से शुरू होने वाली मकानों की गणना में करीब छह हजार प्रगणक तैनात किए जाएंगे। स्वयं गणना करने वाले नागरिकों को अपनी आईडी प्रगणक को उपलब्ध करानी होगी, जिससे वह सीधे जानकारी का सत्यापन कर सकें। इससे डुप्लीकेसी और त्रुटियों को कम करने में मदद मिलेगी।

गर्मी और अवकाश प्रतिबंध से बढ़ी चिंता- जनगणना का कार्य मई महीने में होने के कारण कर्मचारियों और अधिकारियों के सामने गर्मी बड़ी चुनौती बन सकती है। इसके साथ ही इस दौरान अवकाश पर भी रोक लगाई गई है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष की स्थिति बन रही है। हालांकि प्रशासन ने राहत देते हुए सुबह और शाम के समय ही गणना कार्य करने की अनुमति दी है, ताकि तेज धूप से बचा जा सके।

फरवरी 2027 में होगी अंतिम जनगणना- यह पूरा अभियान जनगणना के पहले चरण के रूप में देखा जा रहा है। अंतिम रूप से देश की आबादी की गिनती फरवरी 2027 में की जाएगी। वर्तमान में चल रही मकान गणना और स्वयं गणना प्रक्रिया उसी की तैयारी का अहम हिस्सा है।

ढांचा भवन आगजनी में शामिल बदमाशों का निकाला जुलूस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ढांचा भवन में 11 अप्रैल की रात मकान पर पेट्रोल डालकर आग लगाने और हवाई फायर कर दहशत फैलाने वाले 3 बदमाशों को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। जिनके पास से देशी कट्टा और 1 जिंदा राउंड जप्त किये गये। आगजनी मामले में 13 से अधिक नाम सामने आये थे। अब तक 8 की गिरफ्तारी की जा चुकी है।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के ढांचा भवन में रहने वाले बदमाश रौनक गुर्जर के मकान में 11 अप्रैल की रात पांच बाइक पर सवार होकर आये एक दर्जन से अधिक बदमाशों ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। बदमाशों ने क्षेत्र में हवाई फायर भी किया था। आगजनी का वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने संज्ञान लिया था। वही रौनक गुर्जर के पिता मनोहर गुर्जर की शिकायत पर आगजनी का प्रकरण दर्ज किया था। आगजनी के समय मकान में कोई नहीं था। पुलिस ने वीडियो के आधार पर 13 से अधिक बदमाशों की पहचान की थी, जो बुंदेला गैंग के होना सामने आये थे। गुर्जर और बुंदेला गैंग में लम्बे समय से वर्चस्व की लड़ाई और रंजीश चली आ रही है। आग लगाने और फायर करने वाले बदमाशों की पहचान होने पर पुलिस ने निजातपुरा के रहने वाले संतोष परमार की 14 अप्रैल को गिरफ्तारी कर ली थी। पूछताछ में उसने अपने साथियों यशवेन्द्र उर्फ छिंगु बुन्देला, किशोर पटेल, मोहित पटेल, अमन उर्फ बच्चा, बबलू ठाकुर, ओम उर्फ बच्चा, चिनु मराठा, निखिलेश उर्फ निक्कु मराठा, राहुल उर्फ भय्यु गोहर, निक्कू गोहर, आशुतोष उर्फ आशु, राहुल उर्फ सूर्या सूर्यवंशी और अन्य के नाम बताये थे। जिनकी तलाश पुलिस लगातार कर रही थी। 25 अप्रैल को फरार आरोपियों में शामिल 2 बदमाश किशोर पटेल निवासी चिंतामण और कुख्यात बदमाश छिंगू बुंदेला के रिश्तेदार रितेश उर्फ राजा शर्मा को गिरफ्तार किया गया था। 2 दिन पहले आगजानी में शामिल दो नाबालिग भी पुलिस की हिरासत में आ गए। एक बार फिर पुलिस में बुधवार को घटनाक्रम के बाद से ही फरार चल रहे तीन आरोपी राहुल गोहर, निखिल पवार निवासी भेरूनाला और राहुल सूर्यवंशी को गिरफ्तार किया। जिनके पास से एक देशी कट्टा जप्त किया गया है। तीनों का क्षेत्र में जुलूस निकाला गया और दोपहर बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। अब तक आठ आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। पांच की गिरफ्तारी शेष है, जिन्हें जल्द गिरफ्तार करने की बाद पुलिस द्वारा कही जा रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 की समीक्षा बैठक संपन्न

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक दिनांक 29.04.2026 को जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमला कुंवर की अध्यक्षता में साधारण सभा में संपन्न हुई।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उज्जैन श्री श्रेयांस कूमट ने जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के उद्देश्यों एवं जल की महत्ता के बारे में सदन को विस्तृत रूप से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत समाज की सक्रिय भागीदारी तथा विभिन्न सहभागी विभागों के समन्वित प्रयासों से जन-जागरूकता, नवीन जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संरचनाओं की सफाई-सफाई, मरम्मत एवं नवीनीकरण, जल गुणवत्ता परीक्षण, जल स्रोतों में प्रदूषण के स्तर को कम करना, जल स्रोतों तथा जल वितरण प्रणालियों की सफाई, राजस्व रिकॉर्ड में जल संग्रहण संरचनाओं व नहरों का अंकन तथा मानसून में पौधारोपण की तैयारियाँ प्राथमिकता से की जाएंगी।

श्री कूमट ने जल संचयन एवं संवर्धन की महत्वपूर्ण गतिविधियों जैसे रेन वाटर हार्वेस्टिंग, रिचार्ज शाफ्ट, तालाब गहरीकरण, बावड़ी मरम्मत, चेक डैम/स्टॉप डैम मरम्मत आदि के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

अभियान के अंतर्गत 25 मई 2026 को ÷गंगा दशहरा÷ के दिन एक चयनित ग्राम में एक जल संरचना का गहरीकरण एवं सुदृढ़ीकरण समुदाय की भागीदारी से जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में करवाया जाएगा।

सिंहस्थ-2028 की तैयारीः दो पुलिस थाने हटेंगे, नई जगह होंगे शिफ्ट

माधवनगर और नीलगंगा थाने की लोकेशन बदलेगी, ट्रैफिक और पार्किंग व्यवस्था सुधारने की तैयारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत शहर में बड़े स्तर पर विकास कार्य जारी हैं। इसी क्रम में अब पुलिस व्यवस्था में भी बदलाव किया जा रहा है। शहर के दो प्रमुख थाने माधवनगर और नीलगंगा को उनकी वर्तमान जगह से हटाकर दूसरी जगह शिफ्ट करने की योजना बनाई गई है।

जानकारी के अनुसार, माधवनगर थाना जो अभी फ्रीगंज क्षेत्र में स्थित है, उसे हटाया जाएगा। इस स्थान पर भविष्य में एसपी कार्यालय की नई बिल्डिंग बनाई जानी है। इसके साथ ही यहां पार्किंग और अन्य सुविधाएं विकसित करने की भी योजना है, ताकि शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम किया जा सके। वहीं नीलगंगा थाना भी अपने वर्तमान भवन से हटाकर नई जगह संचालित किया जाएगा। यहां से एक फोरलेन मार्ग बनाने की योजना है, जो हरिफाटक ब्रिज से महाकाल लोक तक सीधा कनेक्शन देगा। इस क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियां ज्यादा होने के कारण यातायात का दबाव भी अधिक रहता है, जिसे इस बदलाव से कम करने का प्रयास किया जाएगा।

यहां शिफ्ट होंगे थाने- माधवनगर थाना को अस्थायी रूप से घास मंडी चौराहा, फ्रीगंज स्थित शासकीय श्री जाल सेवा निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में शिफ्ट किया जाएगा। यहां पहले अस्थायी और बाद में स्थायी भवन का निर्माण होगा। नीलगंगा थाना को जिला पंचायत के हाट बाजार क्षेत्र में खाली पड़ी जमीन पर स्थानांतरित किया जाएगा। यहां भी पहले अस्थायी व्यवस्था होगी और बाद में स्थायी थाना भवन बनाया जाएगा।

व्यवस्था होगी बेहतर- पुलिस प्रशासन का मानना है कि इन बदलावों से न केवल पुलिस की कार्यप्रणाली आसान होगी, बल्कि शहर में पार्किंग और ट्रैफिक की समस्या भी काफी हद तक कम होगी। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए यह कदम शहर को व्यवस्थित और सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

रेलवे ट्रैक पर मृत पड़ा मिला पेंटर

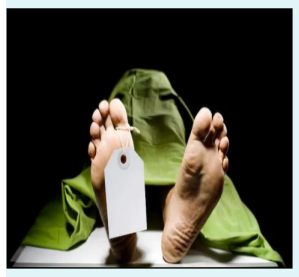

उज्जैन। बीती रात रेलवे ट्रेक से एक युवक की लाश मिली जिसकी पहचान पेंटर के रूप में हुई है। मामला हादसा प्रतीत हो रहा है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे। पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि रात में केसरबाग कॉलोनी के पीछे रेलवे मृतक के सिर में चोट लगी होना सामने ट्रेक पर एक युवक की लाश पड़ी होने की सूचना मिली थी। घटना स्थल पहुंचने पर आया। मौके पर जानकारी जुटाने और साक्ष्य तलाशने पर प्रतीत हुआ कि मृतक रेलवे ट्रेक पार करते समय ट्रेन से टकराया है। संभवतः वह नशे की हालत में था। पुलिस ने उसकी पहचान के प्रयास शुरू किए। कुछ देर में ही पता चला कि मृतक पंवासा का रहने वाला विष्णु पिता रामलाल मेघवाल 35 साल था जो मूलरूप से सोयत का रहने वाला था। पंवासा में रहकर वह पेंटरी का काम करता था। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। पोस्टमार्टम के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए सौंपा गया है।

जलसंकट की दस्तक... गंभीर डैम में बचा 25 जून तक का पानी

42 डिग्री से ऊपर तापमान में तेजी से हो रहा वाष्पीकरण - एक दिन छोड़ जलप्रदाय की आ सकती है नौबत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में एक बार फिर जलसंकट की आहट सुनाई देने लगी है। मुख्य पेयजल स्रोत गंभीर डैम में अब 25 जून तक का पानी ही शेष बचा है। लगातार बढ़ती गर्मी, पानी की ज्यादा खपत और तेज वाष्पीकरण के चलते जलस्तर तेजी से गिर रहा है, जिससे आने वाले समय में एक दिन छोड़ जलप्रदाय की स्थिति बन सकती है।

पीएचई कंट्रोल रुम से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्तमान में गंभीर डैम का जलस्तर करीब 546 एमसीएफटी के आसपास दर्ज किया गया है। वहीं रोजाना

लगभग 9 से 10 एमसीएफटी पानी की खपत हो रही है। इस हिसाब से उपलब्ध पानी अप्रैल, मई और जून तक ही पेयजल आपूर्ति के लिए पर्याप्त माना जा रहा है। यदि जुलाई तक पर्याप्त बारिश नहीं होती है तो शहर को जलसंकट का सामना करना पड़ सकता है। पिछले वर्षों का अनुभव भी चिंता बढ़ा रहा है। लगभग हर साल गर्मियों में गंभीर डैम सूखने की कगार पर पहुंच जाता है और शहरवासियों को बारिश का इंतजार करना पड़ता है। बीते साल भी डैम मुश्किल से भर पाया था और अंतिम समय में हुई बारिश ने स्थिति संभाली थी। इस बार भी हालात कुछ ऐसे ही बनते नजर आ रहे हैं। इस वर्ष तापमान अभी से 43 डिग्री तक जा चुका है और सामान्य से अधिक रहने की संभावना जताई जा रही है, जिससे वाष्पीकरण की गति और तेज होगी। साथ ही शहर की बढ़ती आबादी के कारण पानी की मांग भी लगातार बढ़ रही है। यदि यही स्थिति बनी रही और मानसून समय पर नहीं आया, तो जल वितरण व्यवस्था पर दबाव बढ़ेगा और एक दिन छोडक़र जलप्रदाय जैसी व्यवस्था लागू करनी पड़ सकती है।

पानबिहार में मिली 4 माह से लापता बालिका

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। तराना तहसील की रहने वाली नाबालिग दिसबर 2025 में लापता हो गई थी। परिजनों ने रिश्तेदारी में तलाश करने के बाद अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसला कर ले जाने की शिकायत पुलिस को दर्ज कराई। मामला नाबालिग से जुड़ा होने पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर तलाश शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि तहसील का रहने वाला गोविंद नामक युवक भी लापता है। संभवत- वहीं नाबालिग को बहला-फुसला कर अपने साथ ले गया है। चार माह से लगातार पुलिस दोनों की तलाश कर रही थी। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मंगलवार सुबह पता चला कि नाबालिग के साथ गोविंद पानबिहार क्षेत्र में छुपा हुआ है। थाना प्रभारी रामनारायण सिंह भदौरिया ने एएसआई बसंती अमलियार, आरक्षक अर्चित शर्मा, आरक्षक आनंद और महिला आरक्षक रविना पाटीदार की टीम को पानबिहार रवाना किया। जहां एक मकान से दोनों को दस्तयाब कर लिया गया। तराना लाने पर सामने आया कि गोविंद शादी का झांसा देकर ले गया था, उसने गलत काम किया है। थाना प्रभारी के अनुसार नाबालिग के बयान पर मामले में दुष्कर्म की धारा का इजाफा किया गया है। युवक से पूछताछ जारी है। बुधवार दोपहर न्यायालय में पेश किया गया।

एमआर-11 मार्ग पर लगेंगे तीन नए ट्रैफिक सिग्नल, जल्द शुरू होगा संचालन

सिंहस्थ-2028 की तैयारी के तहत शहर में बढ़ेगी सिग्नलों की संख्या

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए शहर में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में अहम कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मास्टर प्लान की प्रमुख सड़क एमआर-11 फोरलेन पर तीन नए ट्रैफिक सिग्नल लगाए जा रहे हैं। निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और जल्द ही इन सिग्नलों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने प्रमुख चौराहों पर स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल लगाने की योजना बनाई है। एमआर-11 मार्ग पर इन सिग्नलों के शुरू होने से वाहन चालकों को बेहतर दिशा-निर्देशन मिलेगा और जाम की समस्या में कमी आएगी। यह कार्य यातायात पुलिस और प्रशासन के समन्वय से किया जा रहा है।

व्यस्त चौराहों पर मिलेंगे नए सिग्नल- एमआर-11 मार्ग शहर की सबसे व्यस्त सड़कों में शामिल है। यहां लगातार बढ़ते ट्रैफिक के कारण कई स्थानों पर अव्यवस्था की स्थिति बनती रही है। ऐसे में तीन नए ट्रैफिक सिग्नल लगाए जा रहे हैं, जो यातायात संचालन को सुचारू बनाएंगे। यातायात डीएसपी के अनुसार, शहर के कई हिस्सों में अभी भी ट्रैफिक सिग्नल की कमी है, जिससे वाहन चालकों को परेशानी होती है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। नए सिग्नलों से इन समस्याओं में काफी हद तक सुधार आने की उम्मीद है।

स्मार्ट सिस्टम से होगा संचालन- नए ट्रैफिक सिग्नलों को आधुनिक तकनीक से जोड़ा जाएगा। इनमें टाइमिंग कंट्रोल, सेंसर आधारित संचालन और जरूरत के अनुसार सिग्नल बदलने की सुविधा रहेगी। इससे ट्रैफिक मैनेजमेंट अधिक प्रभावी और स्मार्ट बनेगा। इसके साथ ही वाहन पहचान जैसी तकनीकों का भी उपयोग किया जाएगा, जिससे ट्रैफिक फ्लो के अनुसार सिग्नल ऑपरेट हो सकेंगे।

सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी- ट्रैफिक सिग्नलों के साथ-साथ इन स्थानों पर हाई-रिजॉल्यूशन सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। इन कैमरों के जरिए न केवल यातायात की निगरानी होगी, बल्कि आपराधिक गतिविधियों पर भी नजर रखी जा सकेगी।कंट्रोल रूम से इन कैमरों की मॉनिटरिंग की जाएगी, जिससे किसी भी घटना पर तुरंत कार्रवाई संभव हो सकेगी।

सिंहस्थ को ध्यान में रखकर तैयारी- प्रशासन का मानना है कि सिंहस्थ-2028 के दौरान शहर में लाखों श्रद्धालुओं का आगमन होगा। ऐसे में ट्रैफिक व्यवस्था को पहले से मजबूत करना जरूरी है। नए सिग्नल और निगरानी व्यवस्था इसी तैयारी का हिस्सा हैं, ताकि आने वाले समय में शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू और सुरक्षित बनी रहे।

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026 के तहत सेना एवं पुलिस भर्ती हेतु निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछड़ा वर्ग के युवाओं को सैन्य बल, पुलिस एवं अन्य समकक्ष सुरक्षा बलों में भर्ती हेतु सक्षम बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन द्वारा शौर्य संकल्प प्रशिक्षण पोजना 2026% शुरू की गई है। उज्जैन जिले के पिछड़ा वर्ग के युवक-युवतियों के लिए इस 45 दिवसीय निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

योजना की प्रमुख विशेषताएं- निशुल्क सुविधाएं- चयनित अभ्यर्थियों को रहने, भोजन एवं शिक्षण सामग्री की निःशुल्क सुविधा दी जाएगी।

शिष्यवृत्तिः प्रशिक्षण अवधि के दौरान नियमानुसार शिष्यवृत्ति (Stipend) का भुगतान बैंक खाते में किया जाएगा।

विशेष प्रशिक्षणः शारीरिक दक्षता एवं लिखित परीक्षा हेतु अनुभवी ट्रेनर्स द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा।

पात्रताः- श्रेणी- मध्यप्रदेश का मूल निवासी एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC- नॉन क्रीमीलेयर)।

शिक्षाः न्यूनतम 12वीं उत्तीर्ण।

शारीरिक मापदण्डः न्यूनतम ऊँचाई पुरुष 168 सेमी, महिला 155 सेमी।

आयुः संबंधित भर्ती एजेंसी के मापदण्डों के अनुसार।

आवेदन प्रक्रियाः इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित आवेदन प्रारूप विभागीय वेबसाइट www.bcwelfare.mp.gov.in एवं कार्यालय पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग उज्जैन से प्राप्त कर सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन समस्त दस्तावेजों सहित दिनांक 11 मई 2026, शाम 6-00 बजे तक नीचे दिए गए पते पर जमा किए जा सकते हैं।

आवेदन जमा करने का स्थानः कार्यालय सहायक संचालक, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, द्वितीय तल विशाला भवन, भरतपुरी, उज्जैन

नोट - चयन प्रक्रिया 12वीं के अंकों की मेरिट एवं जिला स्तरीय चयन समिति के निर्णयानुसार संपन्न होगी।

बाइक से लौट रहे युवक को कार ने कुचला, मौत

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगर रोड पर रात में बाइक सवार को तेज गति से आई कार ने टक्कर मार दी। बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद चालक कार छोड़कर भाग निकला था। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम कराया है।

घट्टिया तहसील के ग्राम कलेसर में रहने वाला अरविंद पिता अशोक चावड़ा 25 वर्ष पोकलेन मशीन चलाता था। रात में वह ग्राम गुनई में काम खत्म होने के बाद पोकलेन मशीन खड़ी कर बाइक से घर आ रहा था। रास्ते में ग्राम ढाबला गौरी के समीप उसे तेज गति से आई कार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद चालक कार छोड़कर भाग निकला। लेकिन अरविंद की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस मृतक को चरक अस्पताल लेकर पहुंची। ग्रामीणों की वजह से हुई पहचान के बाद परिजन अस्पताल पहुंच गए थे। बुधवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया। इस दौरान परिजनों ने बताया कि पत्नी गर्भवती है। पुलिस ने कार चालक की तलाश शुरू की है।

इंदौररोड पर रात 1:30 बजे दुर्घटना

इधर अज्ञात वाहन ने युवक को कुचला सड़क दुर्घटना एक अन्य मामला चिंतामण जवासिया में रहने वाले आकाश पिता मोहनलाल के साथ इंदौर रोड स्थित पंथपिपलई में हुआ। अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल होने पर उसके पास मिले मोबाइल से घटना स्थल पर मौजूद एक युवक ने परिजनों को कॉल किया। इस बीच एम्बुलेंस नहीं पहुंची। जवासिया से भाई घटना स्थल पहुंच गया। आकाश को अस्पताल लाया गया। लेकिन कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के दौरान परिजनों ने बताया कि आकाश शादी में शामिल होने के लिए ग्राम बालोदा गया था जहां से रात में लौटते समय दुर्घटना हुई है। पुलिस अज्ञात वाहन का पता लगा रही है।

नशे पर प्रहार अभियान के अंतर्गत रेंज स्तरीय प्रशिक्षण का पुलिस कंट्रोल रूम पर आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उप पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन रेंज उज्जैन, श्री नवनीत भसीन की अध्यक्षता में 29 अप्रैल को एनडीपीएस एक्ट विषय पर रेंज स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन पुलिस कंट्रोल रूम उज्जैन में किया गया। कार्यक्रम में जिला उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर मालवा के निरीक्षक, उपनिरीक्षक तथा सहायक उपनिरीक्षक स्तर के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रदेश में दिनांक 01 अप्रैल 2026 से नशे के विरूद्ध ड्रग उन्मूलन लक्ष्य की पूर्ति के लिए रेंज स्तरीय नशे पर प्रहार अभियान आयोजित किया गया जिसके अंतर्गत एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में अनुसंधान की गुणवत्ता, PIT NDPS Act/SAFEMA की कार्यवाही, NAFIS का उपयोग, नशे के सौदागरों को जड से मिटाने के लिए नवीन विधि के अंतर्गत कठोरतम कार्यवाही, अभियोजन की प्रक्रिया, संगठित गिरोह के विरूद्ध कार्यवाही, ड्रग का विधि

अनुरूप डिस्पोजल, अपराधियों की जमानत निरस्तीकरण की कार्यवाही एवं प्रक्रिया, एनडीपीएस एक्ट संबंधी अन्य विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री अरूण वर्मा, रिटायर्ड जिला एवं सत्र न्यायाधीश , जिला इंदौर द्वारा अभियोजन कार्यवाही में अनुसंधानकर्ता द्वारा की जाने वाली त्रुटियां, जब्त मादक पदार्थ की 'चेन ऑफ कस्टडी' का संधारण, तलाशी की प्रक्रिया के संबंध में विधिक कार्यवाही आदि विषयों पर उदबोधन दिया गया । सहायक जिला अभियोजन अधिकारी उज्जैन श्री नितेश कृष्णन द्वारा एनडीपीएस एक्ट की समुचित धाराओं अंतर्गत कार्यवाही की प्रक्रिया व अनुसंधान की तकनीक के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदाय की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अति. पुलिस अधीक्षक उज्जैन श्री आलोक शर्मा, परिवीक्षाधीन भा.पु.से. अधिकारी सुश्री काजल सिंह जिला उज्जैन, परिवीक्षाधीन भा.पु.से. अधिकारी श्री आलोक कुमार वर्मा जिला देवास व उज्जैन रेंज के निरीक्षक से सउनि स्तर के कुल 58 पुलिस अधिकारी उपस्थित रहें।

उप महानिरीक्षक उज्जैन रेंज श्री नवनीत भसीन ने कहा कि रेंज स्तर पर लगातार नशे के व्यापार करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही की जा रही है जिसके तहत उक्त प्रशिक्षण के माध्यम से अनुसंधान की गुणवत्ता में निश्चित रूप से वृद्धि होगी।

कलेक्टर श्री सिंह ने सिंहस्थ के अंतर्गत प्रमुख चौराहों के लिए बनाई गई कार्ययोजना की समीक्षा की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने बुधवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 के अंतर्गत प्रमुख चौराहों के सौंदर्यीकरण/विस्तारीकरण के लिए बनाई गई कार्ययोजना की समीक्षा की। बैठक में लोकनिर्माण विभाग, यूडीए, नगर निगम, सेतु विभाग, एमपीआरडीसी के द्वारा किए जाने वाले प्रस्तावित निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। भूखी माता चौराहा पर प्रस्तावित रोटरी की समीक्षा की गई। साथ ही गाड़ी अड्डा चौराहा, शंकराचार्य चौराहा, बियाबानी वीडी क्लॉथ मार्केट चौराहा, सावरखेडी चौराहा, मोहनपुरा चौराहा पर यातायात व्यवस्था के लिए चर्चा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्थल निरीक्षण करने के बाद ही डिजाईन को अंतिम रूप प्रदान किया जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। हमारा उद्देश्य केवल मार्ग निर्माण नहीं बल्कि सिंहस्थ के दौरान तथा उसके पश्चात यातायात व्यवस्था का सुचारु रुप से संचालन होना चाहिए।